RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:236 ता. 16 मार्च 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

662 सीमावर्ती गांवों का होगा वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत विकास : गृह मंत्रालय

सरकार ने 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश को किया शामिल

नई दिल्ली । केंद्र सरकार वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत अरुणाचल प्रदेश के 455, हिमाचल प्रदेश के 75, लद्दाख के 35, सिक्किम के 46 और उत्तराखंड के 51 सीमावर्ती गांव को प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यक्रमों से जोड़ेगी। गृह मंत्रालय ने लोकसभा में ये जानकारी साझा की है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशित प्रमाणिक ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और लद्दाख के 19 जिलों के 46 सीमावर्ती प्रखंडों में उत्तरी सीमा से सटे हुए गांवों के व्यापक विकास के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को स्वीकृति दी है। गृह राज्यमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक 4800 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक विकास, आजीविका के अवसर सृजन, सड़क मार्ग संपर्क, आवास एवं ग्राम अवसंरचना, पारंपरिक एवं सौर व पवन ऊर्जा के माध्यम से अक्षय ऊर्जा उपलब्ध कराना, सूचना तंत्र आधारित कॉमन सर्विस सेंटर सहित गांवों में दूरदर्शन और दूरसंचार कनेक्टिविटी की स्थापना और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा, वित्तीय समावेशन कौशल विकास एवं उद्यमिता कृषि बागवानी, औषधीय जड़ी बूटी की खेती आदि सहित आजीविका के अवसरों के प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर सहकारी समितियों का विकास करेगी।

नौकरी के बदले जमीन घोटाला: तीसरी बार सीबीआई के समक्ष पेश नहीं हुए तेजस्वी यादव

नई दिल्ली/पटना: नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार को तीसरी बार केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की पूछताछ में शामिल नहीं हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 4 मार्च और 11 मार्च को पेश नहीं होने पर यादव को मंगलवार को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि तेजस्वी मंगलवार को तीसरे नोटिस पर भी पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। सीबीआई ने हाल में यादव के पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से क्रमशः दिल्ली और पटना में पूछताछ की थी। सीबीआई ने नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और अन्य 14 के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र रचने और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है और सभी आरोपियों को विशेष अदालत ने 15 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। यादव परिवार ने इन आरोपों से इनकार किया है।

18 मार्च से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर जाएंगे गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 18-19 मार्च को गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान अमित शाह डेयरी उद्योग सम्मेलन और दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह सहित कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके अलावा वह जूनागढ़ जिला बैंक मुख्यालय का शिलान्यास करेंगे और सोमनाथ मंदिर में पूजा अर्चना भी करेंगे। अधिकारियों के अनुसार गृह मंत्री 18 मार्च को भारतीय डेयरी संघ की ओर से गांधीनगर में आयोजित 49वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा वह जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होंगे और गांधीनगर सिविल अस्पताल में मुफ्त भोजन अभियान की शुरुआत करेंगे। शाह वड़ोदरा में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने से पहले नारदीपुर तालाब का उद्घाटन करने के अलावा वासन तालाब तथा कलोल के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। गुजरात के अपने दौरे के दौरान 19 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री जूनागढ़ में एपीएमसी किसान भवन का उद्घाटन करेंगे और जूनागढ़ जिला बैंक के मुख्यालय का शिलान्यास भी करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि वह सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के अलावा सोमनाथ ट्रस्ट के मोबाइल ऐप का शुभारंभ करेंगे और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत भी करेंगे। शाम को अमित शाह गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

देश में एक साथ तीन-तीन वायरल संक्रमणों की मार

कोरोना, एच3एन2 व एच1एन1 के बढ़ रहे मामले

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में इन दिनों एक साथ तीन-तीन वायरल संक्रमणों की मार जनता झेल रही है, जिससे डर माहौल पैदा हो गया है। राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में कोविड-19, एच3एन2 और एच1एन1 के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। संक्रमण के मामलों की निगरानी कर रहे आईडीएसपी के मुताबिक 28 फरवरी तक देशभर में एच1एन1 के 955 मामले दर्ज किए गए, इस संक्रमण को स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार देश में एच1एन1 के तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 545, महाराष्ट्र और गुजरात में 170, केरल में 42 और पंजाब में 28 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा आईडीएसपी के डेटा के अनुसार जनवरी के महीने में देशभर में श्वसन संबंधी बीमारी और इन्फ्लुएंजा के 3 लाख 97 हजार मामले सामने आए थे, जो फरवरी में बढ़कर 4 लाख 36 हजार के पार चले गए। एक अधिकारी ने बताया कि मार्च के पहले 9 दिनों में ही इन्फ्लुएंजा के 1 लाख 33 हजार मामले सामने आए हैं। डॉक्टर रोमेल टिकू ने मीडिया को बताया कि बुखार वाले सभी मरीजों की टेस्टिंग नहीं हो रही

है, इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि सच यह है कि इन वायरल संक्रमणों का मिक्सर चल रहा है। इसकी वजह से इन्फ्लुएंजा के मामलों में उछाल आया है। ऐसे में बुजुर्गों और पहले से मौजूद कॉमरेडिटीज वाले लोगों को अस्पताल में भर्ती करने वालों की संख्या ज्यादा है। एक सीनियर डॉक्टर ने मीडिया को बताया कि स्वाइन फ्लू एच1एन1, इन्फ्लुएंजा ए के सबवैरिएंट एच3एन2 या कोरोना, ये सभी मुख्य रूप से वायरस से फैलते हैं। अगर हम मास्क पहने तो इन तीनों संक्रमण के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। पिछले हफ्ते स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की कि एच3एन2 के संक्रमण के कारण दो लोगों की मौत हो गई थी, ये इन्फ्लुएंजा ए वायरस का सबवेरिएंट है जो मौसमी फ्लू का कारण बनता है।मंत्रालय ने कहा कि डेटा के अनुसार पीड़ित मरीजों के सैंपल की टेस्टिंग करने पर करीब 79 फीसदी लोगों में इन्फ्लूएंजा-ए की पुष्टि हुई। वहीं करीब 14 फीसदी मामलों में इन्फ्लुएंजा बी विक्टोरिया की पुष्टि हुई। इन्फ्लुएंजा-बी भी एक सबवैरिएंट है। इसके अलावा 7 फीसदी लोगों में एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई, ये तीसरा सबसे ज्यादा पाया जाने वाला इन्फ्लूएंजा वायरस है। हाल ही में देश के कुछ हिस्सों में कोरोना मामलों में उछाल देखा गया है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में 3.24 प्रतिशत कोविड पॉजिटिव रेट दर्ज किया गया है। दिल्ली में 401 सैंपल्स की टेस्टिंग करने पर 13 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के लिए अलर्ट रहने को कहा। उन्होंने कहा कि इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी या गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण के मामलों की निगरानी करने के लिए गाइडलाइन का पालन किया जाना चाहिए। भूषण ने राज्यों को अस्पतालों का निरीक्षण करने और दवाओं और मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता जैसी चीजों का जायजा लेने का भी निर्देश दिया।

भाजपा के तूफानी चुनाव अभियान का मुकाबला करने कर्नाटक में राहुल की 20 को मेगा रैली

बैंगलुरु । (एजेंसी)

सत्तारूढ़ भाजपा के तूफानी चुनाव अभियान का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस 20 मार्च को कर्नाटक में एक मेगा रैली की योजना बना रही है, जिसमें राहुल गांधी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस पूरी तैयारी कर रही है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के बाद पहली बार राज्य का दौरा करेंगे। बेलागवी में मेगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेलागवी में 10.7 किलोमीटर का रोड शो किया था।

बेलागवी में 18 विधान सभा क्षेत्र हैं। राजनीतिक दलों का फोकस जिले से ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने पर है। कांग्रेस को कुछ साल पहले एक बड़ा झटका तब लगा, जब उसके प्रभावशाली नेता रमेश जरकीहोली भाजपा में शामिल हो गए। वहीं बीजेपी को भी झटका लगा, जब सांसद सुरेश अंगड़ी और विधायक उमेश कट्टी का निधन हो गया। फिलहाल, कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश जरकीहोली के भाई सतीश जरकीहोली बेलागवी में पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और कांग्रेस विधायक लक्ष्मी हेब्बालकर और अंजलि निंबालकर इस क्षेत्र से महत्वपूर्ण नेताओं के रूप में उभर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बाद कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए राहुल गांधी को ला रही है। पार्टी राहुल गांधी द्वारा एक बड़े चुनावी वादे की घोषणा करने पर भी विचार कर रही है।

SCO समिट के लिए भारत ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को भेजा न्योता, इस्लामाबाद के आधिकारिक बयान का इंतजार

नेशनल डेस्क: भारत ने अगले महीने दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की होने वाली बैठक के लिए पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को निमंत्रण भेजा है। मीडिया में बुधवार को प्रकाशित खबरों में यह जानकारी दी गई। इस समय भारत के पास एससीओ की अध्यक्षता है जिसमें चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। एससीओ अध्यक्ष होने के नाते भारत को बैठकों की श्रृंखला की मेजबानी करनी है। राजनयिक सूत्रों ने 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार को बताया कि भारत सरकार ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से पाकिस्तान के विदेश विभाग से निमंत्रण (पत्र) साझा किया। पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित खबर की अबतक भारत ने पुष्टि नहीं की है। खबर में दावा किया गया है कि भारत ने इससे पहले पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल को आमंत्रित किया था और एसीओ विदेश मंत्रियों की बैठक का निमंत्रण भी साझा किया था। खबर के मुताबिक पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश हालांकि, एससीओ मुख्य न्यायाधीश की बैठक में शामिल नहीं हुए और उनकी जगह पर न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये हाल में संपन्न उक्त बैठक में हिस्सा लिया।

टेरर फंडिंग का पाकिस्तान कनेक्शन: NIA ने 1 दिन में जम्मू-कश्मीर की 14 जगहों पर की छापेमारी

एजेंसी। पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी आकाओं के संपर्क में रह रहे करीब एक दर्जन संदिग्धों की पहचान की गई है जिसके आधार पर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में कई छापेमारी की कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जून 2022 में एनआईए ने स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रतिबंधित संगठनों के ओवर ग्राउंड वर्कर और काडर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी जो पाकिस्तानी कमांडरों या आकाओं के निर्देश पर छद्म नामों से काम कर रहे थे। संघीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि साल 2022 में की गई कार्रवाई की कड़ी में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, बारामूला, पुलवामा, अनंतनाग, बडगाम और कठुआ सहित छह जिलों के 14 स्थानों और पंजाब के फतेहगढ़ साहिब के एक ठिकाने पर छापेमारी की कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को इन ठिकानों पर की गई छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण और अपराध में संलिप्तता से जुड़ी सामग्री जब्त की गई व आगे की जांच चल रही है।

महिला आयोग की तरह बने 'राष्ट्रीय पुरुष आयोग'...जानिए सुप्रीम कोर्ट में क्यों पहुंचा मामला

एजेंसी। (एजेंसी)

घरेलू हिंसा के शिकार विवाहित पुरुषों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों से निपटने के लिए दिशा-निर्देश और 'राष्ट्रीय पुरुष आयोग' (National Commission for Men) बनाने के अनुरोध को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता महेश कुमार तिवारी द्वारा दायर याचिका में देश में दुर्घटनावश मौतों के संबंध में 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों का हवाला दिया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि उस वर्ष देशभर में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। याचिका में कहा गया है कि इनमें से आत्महत्या करने वाले विवाहित पुरुषों की संख्या 81,063 थी जबकि 28,680 विवाहित महिलाएं थीं। याचिका में एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया, ''साल 2021 में लगभग 33.2 प्रतिशत पुरुषों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण और 4.8 प्रतिशत ने विवाह संबंधी वजहों से अपना जीवन समाप्त कर लिया।

साल 2022 में दुनिया का 8वां सबसे प्रदूषित देश भारत

लोग सात गुना जहरीली हवा में सांस ले रहे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

साल 2022 में दुनिया का 8वां सबसे प्रदूषित देश भारत रहा। साल 2021 में भारत 5वें स्थान पर था। चिंता की बात है कि भारत के लोग विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से सात गुना जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। रिपोर्ट में 2022 के प्रदूषण के आधार पर 131 देशों का आकलन हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित 20 शहरों में 19 एशिया के हैं, जिनमें 14 भारतीय शहर हैं। टॉप 50 प्रदूषित शहरों में 39 भारत के हैं। भारत का सबसे प्रदूषित शहर राजस्थान का भिवाड़ी रहा। महानगरों में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली रही है। प्रदूषित राजधानियों में नई दिल्ली दूसरे पायदान पर है। साल 2021 में यह सबसे प्रदूषित थी। भारत के करीब 60 प्रतिशत शहरों में प्रदूषण विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से सात गुना अधिक है। साल 2022 में भारत में हवा में प्रदूषण नापने की इकाई पीएम 2.5 में कुछ गिरावट आई है। इसका स्तर 53.3 माइक्रोग्राम/क्यूबिक मीटर रहा। यह 2021 (58.1 माइक्रोग्राम/क्यूबिक मीटर) की तुलना में थोड़ा कम है। साल 2022 में ही भारत ने नैशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के लक्ष्य में बदलाव किया और 2026 तक प्रदूषण में 40 प्रतिशत

कमी करने की बात कही थी। वायु प्रदूषण भारत के लिए बड़ा खतरा है। सरकार को इसे कम करने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उद्योगों, गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए सख्त नियमों की जरूरत है। इसके साथ ही सरकार को पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में निवेश करने की जरूरत है।

सत्ता और विपक्षी दलों के हंगामे के बीच संसद गुरुवार तक के लिए स्थगित

बजट सत्र के दूसरे चरण में तीसरे दिन भी कार्रवाई पूरी नहीं हुई

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

संसद में बुधवार को जबरदस्त तरीके से तीसरे दिन भी हंगामा जारी रहा। बुधवार को भी संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी। सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित हो गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा भारतीय लोकतंत्र को लेकर लंदन में दिए गए बयान पर सत्ता पक्ष के सदस्यों और अडाणी समूह से जुड़े मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजकर करीब 12 मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

वहीं, राज्यसभा में भी इन्ही मुद्दों को लेकर हंगामा होता रहा। हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजकर करीब पांच मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने का निर्देश दिया। इस बीच कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य आसन के समीप आकर अडाणी समूह से जुड़े मुद्दे पर जेपीसी जांच की अपनी मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। कुछ विपक्षी सदस्यों के हाथों में तख्तियां भी थीं। उधर सत्तापक्ष के कुछ सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर विदेश में राहुल गांधी के भारतीय लोकतंत्र को लेकर दिए बयान पर उनसे माफी की मांग करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने आसन के पास तख्तियां दिखा रहे विपक्षी सदस्यों को चेतावनी भी दी।

राज्यसभा में बैठक शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि नियम 267 के तहत कार्यस्थगन कर चर्चा के लिए उन्हें 11 नोटिस मिले हैं। धनखड़ के इतना कहते ही सत्ता पक्ष के सदस्यों ने 'राहुल गांधी माफी मांगें' के नारे लगाने शुरू कर दिए। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि फरवरी 2023 तक यूएपीए की चौथी अनुसूची और पहली अनुसूची के तहत अब तक 54 आतंकवादियों और 44 आतंकवादी संगठनों को सूचीबद्ध किया गया है।

दो वर्ष में 371 महिला वैज्ञानिकों का चयन हुआ: सरकार

मोदी सरकार ने बताया कि पिछले दो वर्ष में महिला वैज्ञानिक योजना के तहत 1,198 महिलाओं ने आवेदन दिया और इसमें से 371 महिला वैज्ञानिकों का चयन किया गया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के प्रश्न के लिखित उत्तर में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने इसकी जानकारी दी।

329 शहरों में सभी लाइसेंस सेवा क्षेत्रों के लिए 5जी सेवाएं शुरू

मोदी सरकार ने लोकसभा को बताया कि देश के 329 शहरों में 5जी सेवाएं सभी लाइसेंस सेवा क्षेत्रों के लिए शुरू कर दी गई हैं। लोकसभा में रवनीत सिंह के प्रश्न के लिखित उत्तर में संचार राज्य मंत्री देबुसिंह चौहान ने इसकी जानकारी दी।

'ओडीएएस' विकसित किया गया

बुधवार को सदन में ऑक्सीजन को जन स्वास्थ्य से संबद्ध अहम जरूरत बताकर मोदी सरकार ने कहा कि सभी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों से चिकित्सकीय ऑक्सीजन की मांग का पता लगाने के लिए ''ऑक्सीजन डिमांड एग्रीगेशन सिस्टम'' (ओडीएएस) विकसित किया गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला.....

एलारा को कौन नियत्रिंत कर रहा

नई दिल्ली ।(एजेंसी) ब्रिटेन में अपने बयान और मोदी सरकार द्वारा माफी की मांग को लेकर उठे हंगामे के बीच, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को एलारा नाम की एक विदेशी इकाई पर सवाल उठाकर अडानी समूह और मोदी सरकार पर एक नया हमला किया। राहुल गांधी ने अपनी विदेश यात्रा से दिल्ली लौटने के बाद आरोप लगाया कि अदानी ग्रुप और एलारा को मिसाइल और रडार अपग्रेड का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। उन्होंने कहा, भारत का मिसाइल और रडार अपग्रेड कॉन्ट्रैक्ट अदानी के स्वामित्व वाली एक कंपनी और एलारा नामक एक संदिग्ध विदेशी संस्था को दिया गया है। एलारा को कौन नियंत्रित कर रहा है? अज्ञात विदेशी संस्थाओं को रणनीतिक रक्षा उपकरणों का नियंत्रण देकर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता क्यों किया जा रहा है?

जहां राहुल गांधी विवादों में हैं, वहीं अदानी विवाद पर पूरा विपक्ष एकजुट है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस के नेतृत्व वाले समूह से दूर रह रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने ब्रिटेन के भाषण में राहुल गांधी की ओर से किसी भी तरह की माफी से इनकार किया है। खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने कुछ भी गलत नहीं कहा और केवल लोकतंत्र के बारे में बात की, जबकि प्रधानमंत्री ने विदेशों में कई जगहों पर बात की और देश का अपमान किया।

राहुल गांधी के बयान पर मचे बवाल के बीच कांग्रेस ने साफ कर दिया हैं कि पार्टी इस मुद्दे पर झुकने वाली नहीं है, वहां इस मुद्दे पर आक्रामक होगी और हिंडनबर्ग-अदानी विवाद में जेपीसी की मांग करेगी। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए, कांग्रेस प्रमुख और विपक्ष के नेता खड़गे ने ट्वीट किया था, मैं आपको चीन में दिए गए आपके बयान की याद दिलाना चाहता हूं। आपने कहा, पहले आपको भारतीय होने पर शर्म आती थी। अब आप देश का प्रतिनिधित्व करने में गर्व महसूस करते हैं क्या यह भारत और भारतीयों का अपमान नहीं था? अपने मंत्रियों से कहिए कि वे अपनी यादें ताजा करें।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में 252 करोड़ में बिका एक ट्रिपलेक्स फ्लैट

- यह डील उद्योगपति नीरज बजाज और मैक्रोटेक डेवलपर्स के बीच में हुई

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में घर खरीदने का सपना हर आम और खास आदमी का होता है। मुंबई शहर में एक से बढ़कर एक मंहगी डील के बारे में आपने सुना होगा। जहां कई करोड़ खर्च करके लोगों ने आलीशान फ्लैट अपने नाम करवाये हैं। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है, जहां मुंबई शहर में 252 करोड़ रुपए में एक ट्रिपलेक्स फ्लैट बिका है। यह फ्लैट दक्षिण मुंबई के वालकेश्वर इलाके की एक निर्माणाधीन इमारत में है। यह फ्लैट 18 हजार स्क्वायर फुट एरिया का है। रियल इस्टेट के सूत्रों की माने तो यह डील उद्योगपति नीरज बजाज और मैक्रोटेक डेवलपर्स (लोढ़ा ग्रुप) के बीच में हुई है। आज की तारीख में भारत मे हुई यह सबसे मंहगी डील है। पिछले महीने ही मुंबई के वर्ली इलाके में 30 हजार स्क्वायर फुट एरिया का पेंटहाउस उद्योगपति बी.के. गोयंका ने खरीदा था। गोयंका वेलस्पन ग्रुप के चेयरमैन हैं। उन्होंने यह पेंटहाउस 240 करोड़ रुपए में खरीदा था। तब इसे देश की सबसे बड़ी डील कही जा रही थी। हालांकि, एक महीने बाद ही उससे भी बड़ी डील मायानगरी मुंबई में बजाज और लोढ़ा ग्रुप ने मिलकर की है। पेंटहाउस की फरवरी में हुई डील एक तैयार बिल्डिंग के लिए हुई थी। जबकि मार्च महीने की मौजूदा डील एक अंडर कंस्ट्रक्शन इमारत के लिए हुई है। जिसका काम अभी हाल में शुरू हुआ है। बजाज ग्रुप के डायरेक्टर ने लोढ़ा मालाबार टॉवर के टॉप थ्री फ्लोर बुक किए हैं। यह इमारत राजभवन के करीब है। इस फ्लैट की कीमत प्रति स्क्वायर फुट के हिसाब से 1.4 लाख रुपए है। यह पता चला है कि उद्योगपति बजाज ने इस फ्लैट के लिए टोकन मनी दे दी है जबकि बाकी पैसे बिल्डिंग को ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) मिलने के बाद दिए जाएंगे। मालाबार हिल में बन रही इस 31 मंजिला इमारत का निर्माण कार्य अभी शुरू हुआ है। जहां जमीन की खुदाई शुरू है। यह इमारत साल 2026 में बनकर तैयार होगी। इंडस्ट्रियलिस्ट बजाज ने टॉवर के 29, 30 और 31वें फ्लोर को खरीदा है। इसके साथ ही उन्होंने 8 पार्किंग की जगह भी खरीदी है।नए टॉवर में बजाज परिवार को प्राइवेट रूफटॉप पर जाने की सुविधा होगी। जहां स्विमिंग पूल भी होगा। इंडेक्स टैप डॉट कॉम के मुताबिक यह डील सोमवार को रजिस्टर हुई है। जिसके लिए 15 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी जमा हुई है।

बैंकाक से चप्पल में छुपकर लाया 1.2 किलोग्राम सोना

नई दिल्ली । सीमा शुल्क अधिकारी ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो 69.40 लाख रुपये के सोने की तस्करी करने का प्रयास कर रहा था। सीमा शुल्क के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 12 मार्च को बैंकॉक से बेंगलुरू पहुंचे आरोपी को अधिकारियों ने रोक लिया। यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछने पर यात्री ने कहा कि वह चिकित्सा के उद्देश्य से यात्रा कर रहा था। हालांकि, यात्री वैध चिकित्सा दस्तावेज प्रदान करने में असमर्थ रहा, जिससे अधिकारियों को संदेह हुआ। इसके बाद संदिग्ध यात्री की गहन जांच की गई। शरीर की जांच और उसके बैग और चप्पलों की स्कैनिंग करने पर पता चला कि यात्रा के दौरान उसने जो चप्पल पहन रखी थी, उसमें सोने के कटे हुए टुकड़े थे। अधिकारी ने कहा, चप्पलें काटकर खोली गईं और कुल 1.2 किलोग्राम सोने के चार टुकड़े जब्त किए गए, जिसकी कीमत 69.40 लाख रुपये थी।

मुंबई और गोरखपुर के बीच एसी स्पेशल ट्रेन

मुंबई। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, रेलवे लोकमान्य तिलक टर्मिनस और गोरखपुर के बीच एसी स्पेशल ट्रेन चलाएगा। विवरण इस प्रकार हैं:-

05060 एसी स्पेशल दिनांक 19.03.2023 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12.45 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 00.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 05059 एसी स्पेशल दिनांक 17.03.2023 को गोरखपुर से 20.55 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 07.25 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। संरचना:- 4 एसी-2 टीयर, 14 एसी-3 टीयर और दो जेनरेटर वैन। हाल्ट:- कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, चित्रकूट धाम, बांदा, रागौल, भरवा सुमेरपुर, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद। आरक्षण:- विशेष ट्रेन सं. 05060 की बुकिंग विशेष शुल्क पर दिनांक 16.03.2023 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्रों एवं वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.आईआरसीटीसी.को.इन पर शुरू होगी। समय और हाल्ट की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.इन्क्वारी इंडियनरेल.जीओवी.इन देखें या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करें।

महिलाओं के लिए कितनी सुरक्षित रही मुंबई, रेलवे स्टेशन पर तैनात महिला पुलिस से छेड़छाड़

मुंबई।(एजेंसी)

मुंबई महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित महानगर माना जाता रहा है लेकिन कुछ वर्षों के दौरान मुंबई में जिस प्रकार से महिलाओं पर अत्याचार के मामले उससे अब यही सवाल उठने लगे हैं कि महिलाओं के लिए कितनी सुरक्षित रही मुंबई ? जी हाँ, मुंबई में रात के एक बजे भी अकेली महिला लोकल ट्रेन में सफर करती है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला डब्बे में पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं. लेकिन महिला पुलिसकर्मी ही अगर छेड़छाड़ करने वालों का शिकार हो तो? दरअसल मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर एक ऐसी ही घटना सामने आई है. इस घटना में दो महिला पुलिसकर्मी रेलवे प्लेटफॉर्म पर बैठी हुई हैं और सामने से गुजरती लोकल से एक युवक उन्हें छेड़ रहा है. यह वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं देकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. इस मामले में बांद्रा रेलवे पुलिस स्टेशन में एक शिकायत भी दर्ज हुई है. इस शिकायत के आधार पर महिला पुलिसकर्मियों को छेड़ने वाले युवकों को और इसका रील बनाने वाले युवकों को बांद्रा रेलवे पुलिस ढूंढ रही है. बता दें कि इन दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के दृश्य मौजूद हैं. वीडियो में दिखाई दे रहा है कि यहां से गुजर रही एक लोकल ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर कुछ युवकों द्वारा प्लेटफॉर्म पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों पर फब्तियां कसी जा रही हैं, उन्हें छेड़ा जा रहा है और अश्लील कमेंट किए जा रहे हैं. यह तेजी से वायरल हो रहे वीडियो को 'जीवनधारा संघ' नाम के एक एनजीओ ने ट्वीट किया है. इस ट्वीट में लिखे संदेश में कहा गया है, 'मुंबई पुलिस हमारी सेवा में साल के 365 दिन 24 घंटे रहती है. ऐसे में महिला पुलिस के साथ मस्तान कंपनी नाम से सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर कुछ लोग बदतमीजी कर रहे हैं. महिला का अपमान करने वाले और छेड़छाड़ करने वालों को सबक सिखाना चाहिए.' इस संदर्भ में बांद्रा रेलवे पुलिस स्टेशन में एक शिकायत भी दर्ज की गई है. इन महिला पुलिसकर्मियों को छेड़ने वाले युवकों को बांद्रा रेलवे पुलिस तलाश रही है.

हमेशा ही चोरी और सीना जोरी में भरोसा रखता लालू परिवार: सुशील मोदी

नीतिश बाबू चाहकर भी नहीं बचा सकते

पटना । राज्यसभा सदस्य और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद भी जांच एजेंसियों के आगे न झुकने के बयान देते रहे, लेकिन चारा घोटाले के सभी पांच मामलों में दोषी हुए। सुशील मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के ठोस प्रमाण ने लालू प्रसाद को ऐसा झुकाया कि जेल गए और मुखिया का चुनाव लड़ने लायक भी नहीं रहे। आईआरसीटीसी घोटाले में जो लोग आरोपी हैं, उनके बिना झुके ही प्राथमिकी दर्ज हुई, आरोप पत्र दायर हुआ और गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्हें जमानत लेनी पड़ी। मोदी ने कहा कि लालू परिवार हमेशा ही चोरी और सीना जोरी में भरोसा रखता है, इसकारण ईडी के छापे और सीबीआई की पूछताछ के बाद भी ये लोग जांच के आगे न झुकने के बयान देकर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी के बिना झुके भी नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी ने 24 परिसरों पर छापा मार कर 600 करोड़ के अवैध लेन-देन के कागजात, डेढ़ किलो सोने के गहने, एक करोड़ रुपये नकद और विदेशी मुद्रा बरामद की। मोदी ने कहा कि जांच एजेंसियां भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत के आधार पर कार्रवाई करेंगी और दोषी को सजा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के दौरान न झुकने के राजनीतिक बयान देना कोई काम नहीं आएगा। वहीं, इससे पहले सोमवार को सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार चाहकर भी लालू यादव और उनके परिवार को जांच एजेंसियों से नहीं बचा सकते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों से बिहार में जांच करने की अनुमति वापस भी लेती है, तब भी लालू परिवार को कोई राहत नहीं मिलेगी। सुशील मोदी ने कहा कि बिहार सरकार की सहमति वापस लेने पर सीबीआई और ईडी केवल नए मुकदमे नहीं दायर कर सकेगी। हालांकि, इससे उन मामलों की जांच नहीं बंद हो सकती, जिनमें प्राथमिकी दायर हो चुकी हो।

जमानत मिलने के बाद लालू परिवार से मिलने पहुंची डिंपल यादव

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

समाजवादी पार्टी की नेता और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मिलने राजद नेता मीसा भारती के आवास पर पहुंचीं। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा को बुधवार को ही जमानत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े एक मामले में राजद नेता और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा भारती को जमानत दे दी है। लालू सुबह करीब 10 बजे व्हीलचेयर पर अदालत पहुंचे। नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू के पेश होते ही बड़ी संख्या में राजद समर्थक अदालत के बाहर जमा हो गए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश गोयल ने कहा कि सीबीआई ने बिना गिरफ्तारी के आरोप पत्र दायर किया। अदालत ने, हालांकि, जमानत दे दी और प्रत्येक आरोपी को 50,000 रुपये के निजी जमानत बांड भरने का निर्देश दिया। सीबीआई ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया।

अदालत ने 27 फरवरी को उन्हें इस मामले में समन जारी किया था, जो लालू प्रसाद के परिवार को 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान दिए गए या बेचे गए भूमि पार्सल के बदले में रेलवे में की गई कथित नियुक्तियों से संबंधित है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने आरोपपत्र में कहा है कि रेलवे में भर्ती के लिए भारतीय रेलवे द्वारा स्थापित मानकों और दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए अनियमित नियुक्तियां की गई हैं। यह आरोप लगाया जाता है कि उम्मीदवारों ने लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को सीधे या उनके करीबी रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों के माध्यम से बाजार दर के पांचवें हिस्से तक बहुत कम कीमतों पर जमीन दी।

ऑनलाइन दवा की बिक्री पर लग लग सकता है बैन, प्रतिबंध लगाने के पक्ष में मंत्री समूह

मौजूदा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट-1940 को बदलने की तैयारी में सरकार

डीसीजीआई ने पहले ही 20 ऑनलाइन कंपनियों को भेजा था नोटिस

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्र सरकार ऑनलाइन दवा की दुकानों या ई-फार्मेसी को विनियमित करने की योजना बना रही है। संभव है कि इन पर प्रतिबंध भी लगा दिया जाए। हालांकि, इस पर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इस संबंध में पेश किए गए औषधि, चिकित्सा उपकरण और प्रसाधन सामग्री विधेयक-2023 को अभी विभिन्न मंत्रालयों के पास मंथन के लिए भेजा गया है। ये कवायद ऐसे समय में शुरू की गई है जब पिछले ही महीने नियमों के उल्लंघन को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने 20 ऑनलाइन दवा बिक्री कंपनियों को नोटिस भेजा था। खबरों के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि ई-फार्मेसी को नियंत्रण में लाने के लिए नए विधेयक पर चर्चा की जा रही है। साथ ही मंत्री समूह ने इन पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में अपना मत रखा है। उनका मानना है कि इससे ग्राहक के निजी डाटा की गोपनीयता को खतरा है। इसके अलावा डॉक्टर की पर्ची के बिना दवाएं देने और मनमानी कीमतें वसूले जाने के प्रचलन को बढ़ावा मिल रहा है। उनका मानना है कि यह काफी खतरनाक है और इससे दवाओं के खुदरा बाजार को काफी नुकसान हो सकता है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने बजट सत्र के दौरान कहा था कि वह दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को बड़े स्तर पर विनियमित करने के लिए कानून में जरूरी संशोधन की तैयारी कर रही है। पिछले ही महीने नियमों के उल्लंघन को लेकर औषधि नियंत्रक डीसीजीआई ने टाटा वनएमजी, अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत 20 कंपनियों को नोटिस भेजा था। नोटिस में कहा गया था कि ये कंपनियां शेड्यूल एच, एच-1 और एक्स श्रेणी में सूचीबद्ध दवाओं को बगैर किसी अनुमति के अवैध तरीके से बेच रही हैं। ये कंपनियां रोगियों के डाटा को एकत्रित करती हैं।

इससे रोगियों की सुरक्षा से जुड़े जोखिमों में बढ़ोतरी होती है।

अर्पिता मुखर्जी ने कोर्ट से कहा, बड़े ऊंची खानदान से हैं, उनकी मर्यादा को नष्ट किया जा रहा

कोलकाता । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले के करोड़ों रुपये अपने घर में रखने वाली अर्पिता मुखर्जी ने बड़ा बयान दिया है। अर्पिता ने कोर्ट से कहा कि वहां बड़े ऊंची खानदान से हैं, और उनकी मर्यादा को नष्ट किया जा रहा है। दरअसल 8 महीने पहले ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाले में अर्पिता को गिरफ्तार किया था। तब से मामले की जांच चल रही है, अर्पिता भी जेल में हैं। अर्पिता ने जज से कहा कि वह निर्दोष है। उन्हें बिना किसी अपराध के 8 महीने से जेल में बंद किया गया है। इससे उनकी सामाजिक मर्यादा खत्म हो रही है। अभिनेत्री अर्पिता ने कहा, मैं एक बहुत ऊंची जाति की लड़की हूं। ऊंचे खानदान से हूं। आपको नहीं लगता कि किसी भी सभ्य महिला के साथ को गलत तरीके से जेल में रखा गया है। लगातार जेल में रहने से मेरा सामान नष्ट हो रहा है। अर्पिता मुखर्जी की बात करें, तब वहां ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। इसके साथ ही उनका पूरा परिवार बहुत ही संभ्रांत परिवार माना जाता है।

अर्पिता का मूल घर बेलघरिया है। पड़ोसियों का कहना है कि एक बार पार्थ की करीबी इस अभिनेत्री के घर में रामकृष्ण परमहंस अर्पिता के घर गए थे। मुखोपाध्याय परिवार को सभी एक बड़े परिवार के नाम से जानते हैं।अर्पिता ने कोर्ट में कहा, मेरे परिवार में मेरी मां की तबीयत सही ठीक नहीं है और मुझे उनकी देखभाल के लिए वहां रहने की जरूरत है। अर्पिता मुखर्जी करीब 8 महीने भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार होने के बाद जेल में बंद हैं। मंगलवार को बैंकशाल कोर्ट की वर्चुअल सुनवाई में राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी मौजूद थे।

टीएमसी की दो टूक किसी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी

कांग्रेस की विपक्षी एकता को जोरदार झटका

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

विपक्षी एकता को लेकर बुधवार को कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। तृणमूल कांग्रेस ने कह दिया है कि वह कांग्रेसी नेताओं द्वारा बुलाई बैठक में शामिल नहीं होगी।दरअसल, संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। हंगामे को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस नेताओं की ओर से बड़ी बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विपक्षी दलों के लगभग सभी नेता शामिल हो रहे हैं। लेकिन टीएमसी ने दूरी बना ली है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी कांग्रेस पर ही हमलावर है। इस बीच लोकसभा में टीएमसी नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने कह दिया है कि उनकी पार्टी किसी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी। अपने बयान में बंदोपाध्याय ने कहा कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद अपना सत्र शुरू करने में सफल नहीं हो रही है। सत्ता पक्ष हो या मुख्य विपक्षी दल, दोनों एक-दूसरे के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी अन्य विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं ले रहे हैं। टीएमसी संसद में अपने ही मुद्दों और एजेंडे पर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में, कांग्रेस पूरी तरह से भाजपा और सीपीएम के साथ मिलीभगत है, इसकारण हम कांग्रेस नेताओं द्वारा बुलाई गई बैठकों में हाथ नहीं मिला सकते हैं।

बंधोपाध्याय का यह बयान विपक्षी एकता को बड़ा झटका है। हाल में ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी दलों से भाजपा को हराने के लिए एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने की अपील की थी। उन्होंने समान विचारधारा वाले दलों को आमंत्रित भी किया था। हालांकि, बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी के बीच जबरदस्त वार-पलटवार का दौर भी देखने को मिला। इस बीच ममता बनर्जी ने पहले ही ऐलान किया है, कि उनकी पार्टी 2024 का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी।

कांशीराम व उनके अनुयायियों का किया गया अपमान, चुनाव में विरोधियों को देना होगा करारा जवाब: मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी कार्यालय में जन्मदिन पर कांशीराम को पुष्पांजलि अर्पित की

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को पार्टी संस्थापक कांशीराम के जन्मदिन पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और चुनावी सफलता और सत्ता की मास्टर चाबी हासिल कर विरोधियों को करारा जवाब देने का आह्वान किया। बसपा सुप्रीमो ने सुबह पार्टी कार्यालय में कांशीराम को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद आरोप लगाया कि कांशीराम और उनके अनुयायियों का अपमान किया गया।

जानकारी के अनुसार मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि वंचित और शोषित 'बहुजन समाज को राजनीतिक ताकत बनाकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वाभिमान आंदोलन को शक्ति और गति देने वाले कांशीराम जी को आज जन्मदिन पर अपार श्रद्धा-सुमन। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांशीराम ने बसपा के इसी आंदोलन को जमीनी मजबूती दी तथा इसकी बदौलत उत्तर प्रदेश में चार बार सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय की सरकार बनी, जिसके तहत करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचाया गया, जो देश में 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के अहम मामले में बेहतरीन एवं बेमिसाल है।

उल्लेखनीय हे कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि लेकिन डॉ. भीमराव अंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने वाले बहुजन नायक कांशीराम जी एवं उनके समाज/अनुयाइयों की उपेक्षा, तिरस्कार तथा षडयंत्र का क्रम विरोधियों द्वारा आज भी लगातार जारी है, जिसका उचित जवाब चुनावी सफलता व सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके देते रहना जरूरी।

इंग्लैंड में वेतन बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर 61 हजार जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर

लंदन । इंग्लैंड में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह बिगड़ गई हैं, जिसकी वजह है वहां देशभर में जूनियर डॉक्टरों का हड़ताल पर चले गए है । यहां नेशनल हेल्थ स्कीम के साथ काम कर रहे 61 हजार के करीब जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं । उनका कहना है कि उन्हें कम वेतन मिल रहा है, वहीं कामकाजी परिस्थितियां भी बेहद खराब हैं । इस हड़ताल की वजह से देश में अस्पताल संचालन बुरी तरह प्रभावित हो गए हैं । जूनियर डॉक्टरों के काम बंद करने के बाद हजारों आउट पेशेंट अपॉइंटमेंट पहले ही रद्द कर दिए गए हैं और सर्जिकल प्रक्रियाएं यानि ऑपरेशन भी स्थगित कर दिए हैं । जूनियर डॉक्टरों ने वेतन में 26 प्रतिशत वृद्धि की मांग को लेकर सोमवार सुबह से 72 घंटे की हड़ताल शुरू की । वहीं स्वास्थ्य सचिव स्टीव बार्कले ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया, लेकिन ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन और हॉस्पिटल कंसल्टेंट्स एंड स्पेशलिस्ट एसोसिएशन (एचसीएसए) हड़ताल से पीछे नहीं हट रहे हैं । डॉक्टरों की अलग-अलग यूनियनों ने कहा कि सरकार वर्ष 2022-23 के लिए एकमुश्त भुगतान और अगले साल अनिर्दिष्ट वृद्धि पर चर्चा तब करना चाहती है, लेकिन 26 प्रतिशत वेतन वृद्धि पर सहमत नहीं हुई है । जूनियर डॉक्टरों ने आपातकालीन सेवाओं, क्रिटिकल केयर और मैटरनिटी वार्ड में काम करने से भी मना कर दिया है । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एनएचएस अधिकारियों ने कहा कि वे वरिष्ठ डॉक्टरों को तैनात करने और लोगों को आपातकाल के मामले में 999 डायल करने की सलाह दी गई है ।

अमेरिका में 2021 में घृणा अपराध के मामले बढ़े : एफबीआई

वाशिंगटन । अमेरिका में 2021 में घृणा अपराध के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है । अमेरिका में न्याय विभाग की एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने यह जानकारी दी गई । संघीय जांच एजेंसी द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस तरह के मामलों में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पिछली अधूरी रिपोर्ट में मामलों में कमी आने की बात कही गई थी । हालांकि रिपोर्ट में न्यूयॉर्क और लॉस एंजिलिस सहित देश के कुछ सबसे बड़े शहरों के आंकड़े नहीं हैं । कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी-सैन बर्नार्डिनो में 'सेंटर ऑफ द स्टडी ऑफ हेट एंड एम्प' के निदेशक ब्रायन लेविन ने बताया कि घृणा के आधार पर होने वाले अपराध दशकों में सबसे अधिक हैं । उन्होंने कहा, ''हम एक ऐसे चिंताजनक दौर में हैं जहां नफरती अपराध के मामले बढ़ रहे हैं ।'' एफबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों में से अधिकतर 64.5 प्रतिशत को नस्ल, उनकी जाति या वंश के कारण निशाना बनाया गया । अन्य 16 प्रतिशत को उनकी लैंगिक पसंद को लेकर और 14 प्रतिशत को धार्मिक पूर्वाग्रह के कारण निशाना बनाया गया । ऐसे अपराधों को सबसे अधिक डरा-धमका और हमला करके अंजाम दिया गया । वहीं नफरत के आधार पर हत्या के 18 मामले सामने आए । वेस्टर्न स्टेट्स सेंटर के चीफ ऑफ स्टाफ जिल गार्वे ने बताया कि धार्मिक मामलों में से आधे में से यहूदी लोगों को निशाना बनाया गया । एफबीआई की सोमवार को जारी रिपोर्ट में ऐसे मामलों के सही तरीके से रिकॉर्ड रखने पर जोर दिया गया ।

'आतंकियों के एक्सपोर्टर', अंतर-संसदीय संघ में कश्मीर मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान को इस अंदाज में दिखाया आईना

भारत ने बहरीन में 146वें अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) में पाकिस्तान को आईना दिखाया है । पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने अपने संबोधन के दौरान एक बार फिर से कश्मीर का राग अलापा । जिस पर पलटवार करते हुए भारत ने राइट टू रिप्लाई (आरओआर) के माध्यम से आईपीयू में पाकिस्तान को आतंकवादियों का निर्यातक करार दिया है । बीजू जनता दल के प्रवक्ता सस्मित पात्रा ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बारे में अपने बयान में उल्लेख करके एक बार फिर से इस मंच का दुरुपयोग करना चुना है, जो भारत का अभिन्न अंग है । यह उल्लेख पूरी तरह से अस्वीकार्य है ।' बीजद), एएनआई द्वारा यह कहते हुए उद्धृत किया गया था ।

पाक का कश्मीर पर कोई नियंत्रण नहीं

भारत के इस रुख को दोहराते हुए कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहे हैं और रहेंगे, पात्रा ने कहा, 'किसी भी देश की बयानबाजी और प्रचार की कोई मात्रा इस तथ्य को खत्म नहीं कर सकती है । पाकिस्तान के पास भारत पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है । हमने बार-बार इसके अवैध और जबरन कब्जे के तहत भारतीय क्षेत्रों को तत्काल प्रभाव से खाली करने का आह्वान किया है ।

उत्तर कोरिया-यूएस की संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

सियोल । उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया । दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी । एक सप्ताह के भीतर उत्तर कोरिया ने दूसरी बार किसी मिसाइल का परीक्षण किया है । दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं ने सोमवार से अपना सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है । उत्तर कोरिया की ओर से यह मिसाइल परीक्षण इस सैन्य अभ्यास के मद्देनजर किया गया है । दक्षिण कोरिया की सेना के प्रमुखों ने कहा है कि ताजा मिसाइल परीक्षण मंगलवार सुबह किया गया था, लेकिन इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी गयी है । उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा था कि उसने इस संयुक्त सैन्य अभ्यास के विरोध में पनडुब्बी से प्रक्षेपित क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है । उत्तर कोरिया की ओर से रविवार को किए गए इस मिसाइल परीक्षण से संकेत मिलता है कि वह 11 दिवसीय अमेरिकी-दक्षिण कोरियाई सैन्य अभ्यास के दौरान लगातार अपने हथियारों के परीक्षण संबंधी गतिविधियों को जारी रखेगा । पिछले हफ्ते, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने सैनिकों को अपने प्रतिद्वंद्वियों की ''युद्ध संबंधी तैयारियों और रणनीतियों'' से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया था ।

ये हैं सबसे ज्यादा हथियार बेचने वाले और खरीदने वाले देश, भारत के मुकाबले कहां खड़ा है पाकिस्तान?

चीनी घुसपैठ की बढ़ती आशंका और पाकिस्तान की नापाक हरकतों को लेकर भारतीय सेना एलएसी और एलओसी पर मुस्तैद है । हालिया वर्षों में रक्षा क्षेत्र में उठाए गए कदमों से भारत का डिफेंस सेक्टर खासा मजबूत हुआ है । इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के नारे के तहत रक्षा मंत्रालय ने हथियार और सैन्य उपकरणों के आयात में काफी कटौती की है । वहीं अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का कहना है कि भारत अभी भी 2012 और 2018 के बीच विदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों का शीर्ष आयातक है । स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2018 और 2022 के बीच भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक था, जो वैश्विक आयात का 11 प्रतिशत था ।

भारत रूसी हथियारों के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार

ये डेटा इंटरनेशनल आर्म्स ट्रांसफर 2022 रिपोर्ट में SIPRI के रुझानों का हिस्सा है, जिसमें कहा गया है कि भारत 2018 से 2022 तक रूसी हथियारों के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार था । भारत को इस अवधि के दौरान रूस द्वारा निर्यात किए गए कुल हथियारों का 31 प्रतिशत प्राप्त हुआ । हालांकि, 2013-17 की अवधि की तुलना में भारत में रूसी हथियारों के निर्यात में 37 प्रतिशत की गिरावट आई है । इसी समय, 2018 और 2022 के बीच चीन को हथियारों का हस्तांतरण रूसी हथियारों के निर्यात का 23 प्रतिशत था - 2013-17 की अवधि से 37 प्रतिशत की वृद्धि ।

हथियारों का तीसरा सबसे बड़े आयातक बना कीव

SIPRI ने पाया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के परिणामस्वरूप, कीव 2022 में हथियारों के तीसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा । युद्ध से पहले, यूक्रेन 2018 और 2022 के बीच दुनिया का 14वां सबसे बड़ा हथियार आयातक था ।

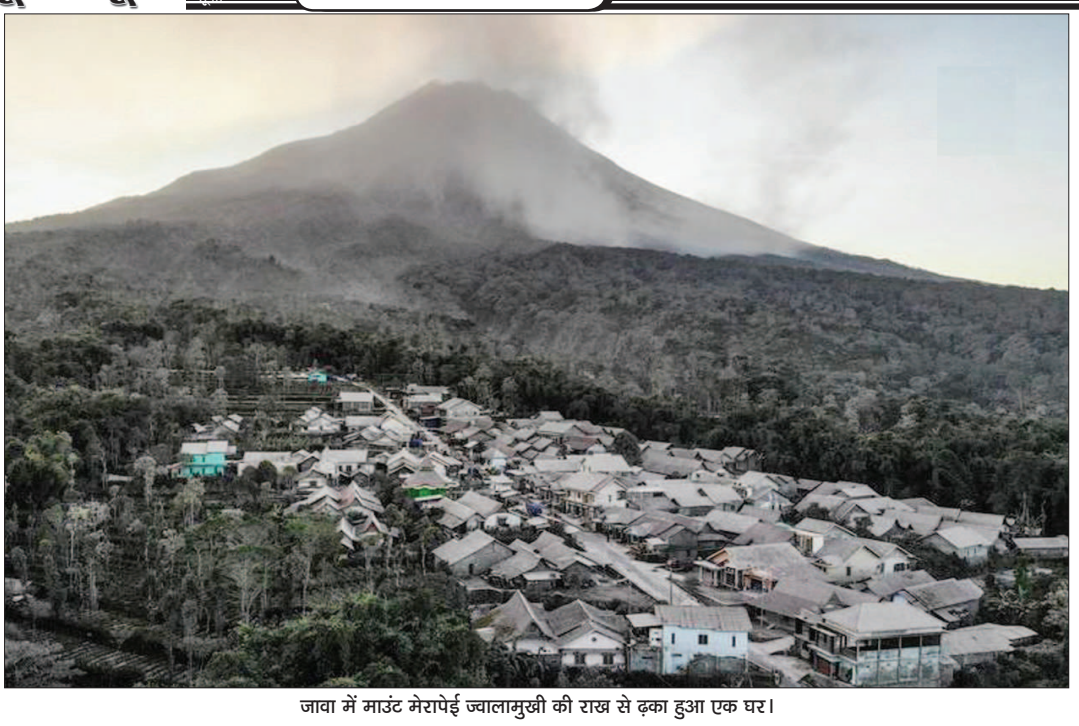

जावा में माउंट मेरापेई ज्वालामुखी की राख से ढ़का हुआ एक घर।

अपना नया शहर बसाने की योजना बना रहे मस्क

वाशिंगटन । दुनिया के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति और टेस्ला के मालिक एलन मस्क अपना एक शहर बसाने की योजना बना रहे । एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है । मस्क और उनकी कंपनी से जुड़ी संस्थाएं एक ऐसा शहर बसाने के लिए टेक्सास में हजारों एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर रही है, जहां मस्क की कंपनी के कर्मचारी रहने और काम करने वाले हैं । ये संपत्तियां ऑस्टिन के पास कम से कम 3,500 एकड़ में खरीदी गई हैं । रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क स्नेलबुक नाम का एक शहर बसाने की प्रक्रिया में हैं । मस्क जहां शहर बसाने वाले हैं, वह इलाका बोरिंग और स्पेस-एक्स के निर्माणाधीन प्लांट के पास ही है । यह जगह टेक्सास में कोलोराडो नदी के किनारे है । यहां मस्क की कंपनियों के कर्मचारी रहने और पास में ही बने संयंत्रों में काम पर जा सकते हैं । रिपोर्ट के मुताबिक प्लान 100 मकान बनाने का है जहां पूल और खुले खेल का मैदान नजदीक में ही बनाए जाएंगे । मस्क की योजना अपने कर्मचारियों को सस्ते दाम में घर उपलब्ध कराने की है । ऐसा बताया जा रहा है कि मस्क एक और दो बेडरूम वाले घर को शुरुआत में लगभग 65,000 रुपये प्रति माह की कीमत में उपलब्ध कराना चाहते हैं । इसके लिए यह नियम भी है कि अगर कंपनी के कर्मचारी नौकरी छोड़ देते हैं या छंटनी होती है तब उन्हें 30 दिन के अंदर घर खाली करना होगा ।

चीन को रोकने की तैयारी, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने बनाया महाप्लान

मॉस्को (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीनी महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 2030 के दशक की शुरुआत से परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियां प्रदान करने की योजना का खुलासा किया। सैन डिएगो में अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस और ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 ऑक्स साझेदारी के तहत समझौते को एक स्वतंत्र और खुलेपन के लिए साझा प्रतिबद्धता का हिस्सा बताया।

सुनक ने इस एक शक्तिशाली साझेदारी बताकर कहा कि पहली बार इसका मतलब होगा कि अटलांटिक और प्रशांत क्षेत्र में एक साथ काम करने वाली पनडुब्बियों के तीन बेड़े हमारे महासागरों को आने वाले दशकों तक मुक्त रखने वाले हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है कि सौदे के तहत, अमेरिका ऑस्ट्रेलिया को तीन यूएस वर्जीनिया वर्ग की परमाणु-संचालित पनडुब्बियों को बेचने का इरादा रखता है, जो कि 2030 के दशक की शुरुआत में जनरल डायनेमिक्स द्वारा बनाई गई हैं, ऑस्ट्रेलिया के लिए दो और खरीदने का विकल्प है।

अल्बनीज ने तीन देशों के बीच संबंधों में इसे एक नया अध्याय बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी दोस्ती है, जो उनके साझा मूल्यों, लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता तथा शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य के समान दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''हम यहां सैन डिएगो में पुष्टि करते हैं ऑकस समझौता ऑस्ट्रेलिया की रक्षा क्षमता में सबसे बड़ा एकल निवेश है, हमारे क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा स्थिरता को मजबूत करता है।

सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति समझौता, परेशान दिख रहे इजरायली पीएम नेतन्याहू

यरुसलेम (एजेंसी) चीनी राष्ट्रपति के सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति समझौते में अहम भूमिका निभाने वाले कदम ने मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) को हिला दिया है। लंबे समय के बाद मध्य पूर्व में शांति समझौता हुआ है। यह न केवल दो आश्चर्यजनक प्रतिभागियों ईरान और सऊदी अरब के बीच है, बल्कि सफल मध्यस्थता ने इस विवादित क्षेत्र में चीन के प्रवेश की शुरुवात है। ईरान और सऊदी अरब एक-दूसरे को कभी फूटी आंख नहीं सुहाते थे। लेकिन अब दूतावास को खोलकर संबंध को बहाल करने की तैयारी में हैं। दोनों देशों के बीच हुए शांति समझौते के बाद सबसे ज्यादा परेशान अगर कोई है, तब वहां इजरायल है। ईरान और सऊदी के बीच हुए समझौते को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

नेतन्याहू की ओर से ईरान को सार्वजनिक तौर पर बड़ा खतरा बताया जाता रहा है। वहां हमेशा से ईरान की राजनयिक प्राथमिकताओं और व्यक्तिगत धर्मयुद्ध के लिए बड़ा खतरा बताते रहे हैं। इस एग्रीमेंट के बाद से ही नेतन्याहू को समझ नहीं आ रहा कि क्या कदम उठाया जाए। साल 2020 में अमेरिका की कोशिश के कारण ही इजरायल को बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल हुई थी। चार अरब देशों के साथ इजरायल ने अब्राहम समझौता किया था। इस समझौते के बाद बहरीन, यूएई, मोरक्को और सूडान ने इजरायल के साथ संबंधो को सामान्य करने पर हामी भरी थी। इस समझौते का मकसद ही ईरान को क्षेत्र में अलग-थलग करना था।

लेकिन अब ऐसा लगा रहा हैं कि नेतन्याहू का दांव उल्टा पड़ गया हैं।

लैंगिक डिजिटल विभाजन लैंगिक असमानता का नया चेहरा बन रहा : गुटेरेस

जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी देकर कहा कि लैंगिक डिजिटल विभाजन लैंगिक असमानता का नया चेहरा बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज की डिजिटल तकनीक अक्सर पुरुष-वर्चस्व वाले तकनीकी उद्योग द्वारा डिजाइन किए गए एल्गोरिदम का उपयोग करती है, जो पुरुष-वर्चस्व वाले डेटा पर आधारित है। उन्होंने चेतावनी दी कि तथ्यों को प्रस्तुत करने और पक्षपात को खत्म करने के बजाय, अधूरे डेटा पर आधारित तकनीक और खराब तरीके से डिजाइन किए गए एल्गोरिदम लिंगवाद को डिजिटल बना रहे हैं और बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं की स्थिति पर आयोग के 67वें सत्र में नागरिक समाज के साथ टाउनहॉल बैठक में उन्होंने कहा कि पुरुषों के आंकड़ों पर आधारित नीतियां महिलाओं और लड़कियों को और भी पीछे छोड़ देंगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की दुनिया को आकार देगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के समान इनपुट के बिना यह पुरुषों की दुनिया बनी रहेगी। लैंगिक डिजिटल विभाजन तेजी से लैंगिक असमानता का नया चेहरा बनता जा रहा है। ऑनलाइन स्पेस महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित नहीं हैं। लिंग आधारित हिंसा ऑनलाइन तेजी से बढ़ी है। संगठित अभियान महिला राजनेताओं, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को लक्षित करते हैं। महिलाओं को बदनाम करते हैं और लाखों युवकों और लड़कों को स्त्री द्वेष और मर्दानगी के जहरीले रूप दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ अभियान चलाने वाले समूहों का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा रूढ़ियां लड़कियों को विज्ञान, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ने से दूर धकेलती हैं और महिला वैज्ञानिकों के करियर का गला घोंट देती हैं। महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए कम श्रेय दिया जाता है। पुरुषों की तुलना में कम शोध निधि प्राप्त होती है। उद्यम पूंजी निवेश का सिर्फ दो प्रतिशत महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप में जाता है, यह बदलना चाहिए। नई तकनीकों का पुरुषवादी वर्चस्व महिलाओं के अधिकारों पर दशकों की प्रगति को नष्ट कर रहा है। लैंगिक समानता शक्ति का प्रश्न है। 100 से अधिक वर्षों के लिए, वह शक्ति धीरे-धीरे अधिक समावेशी होती जा रही थी। प्रौद्योगिकी अब उस प्रवृत्ति को उलट रही है।

दागे गए आंसू गैस के गोले, इमरजेंसी पर सारे अस्पताल, इमरान खान की समर्थकों से अपील- लड़ाई जारी रखें

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद पुलिस पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए उनके लाहौर स्थित आवास पर पहुंच गई है। डॉन ने बताया कि लाहौर के ज़मान पार्क में खान के आवास के बाहर बख्तरबंद गाड़ियाँ तैनात हैं। एक वीडियो संदेश में इमरान खान ने अपने समर्थकों से पाकिस्तान में तानाशाही व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का आग्रह किया। इमरान खान ने एक बार फिर समर्थकों के नाम सोशल मीडिया पर अपील जारी की। उन्होंने कहा कि आपके नेता की जान को खतरा है। हमें एकजुट रहना है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर

कहा- जल्द से जल्द खान साहब के लाहौर में जमान पार्क वाले घर पहुंचें।

पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थक भी उनके आवास के बाहर जमा हैं। झड़पों की खबरें हैं, पुलिस ने उन पर पथराव कर रहे पीटीआई कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। डॉन ने इस्लामाबाद के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) (ऑपरेशंस) शहजाद बुखारी के हवाले से कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी का वारंट बाकी है। कल, इस्लामाबाद की एक जिला और सत्र अदालत ने तोशखाना मामले में सुनवाई से चूकने के बाद फिर से गिरफ्तारी वारंट जारी किया - एक ऐतिहासिक फैसला जिसमें पाकिस्तान के चुनाव पैनल ने उन्हें 5 साल के लिए सार्वजनिक पद संभालने से अयोग्य घोषित कर दिया।

इमरान खान के घर के अंदर भारी मात्रा में आंसू गैस के गोले दागे गए। लाहौर के जमां पार्क इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। इमरान खान का घर इसी इलाके में मौजूद है, जहां भारी संख्या में उनके समर्थक इकट्ठा हैं। वहां पीटीआई चीफ को गिरफ्तार करने आई पुलिस के साथ उनकी भारी झड़प भी हुई, जिसमें पुलिसकर्मियों के साथ-साथ कई लोगों के घायल होने की खबर है। इस कारण से लाहौर के सारे अस्पतालों को इमरजेंसी पर रखा गया है।

अंधेरे में डूबा पाकिस्तान का कराची, 40 फीसदी से ज्यादा हिस्से में बत्ती गुल

कराची के कई क्षेत्रों में तकनीकी खराबी के कारण सोमवार को बिजली गुल हो गई, जिससे हाई टेंशन (।ञ) ट्रांसमिशन केबल ट्रिप हो गई । एएनआई ने एआरवाई न्यूज के हवाले से बताया कि हाई टेंशन ट्रांसमिशन लाइन के ट्रिप होने के कारण कराची का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह से अंधेरे में डूब गया । प्रभावित क्षेत्रों में नुमाइश चौरंगी, सद्दार, लाइन्स एरिया, डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए), पंजाब कॉलोनी, गुलिस्तान-ए-जौहर, कोरंगी और अन्य शामिल हैं । हालांकि, शहर की बिजली आपूर्ति के लिए जिम्मेदार कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने अभी तक स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है । यह घटना पहली बार नहीं है जब कराची में बिजली गुल हुई है । जनवरी में, आवृत्ति में उतार-चढ़ाव के कारण राष्ट्रीय ग्रिड में एक गंभीर खराबी के कारण, कराची के नागरिकों को एक विस्तारित अवधि के लिए बिजली के बिना छोड़ दिया गया । फिलहाल, शहर की बिजली आपूर्ति के लिए जिम्मेदार कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने कोई अपडेट नहीं दिया है । यह घटना पूरे पाकिस्तान में जनवरी में हुई एक गंभीर बिजली कटौती के बाद हुई, जिसने कराची के नागरिकों को भी बिजली के बिना छोड़ दिया । प्रभावित क्षेत्रों में उत्तरी नजीमाबाद, न्यू कराची, उत्तरी कराची, लियाकताबाद, क्लिफ्टन, कोरंगी, ओरंगी, गुलशन-ए-इकबाल, सद्दार, ओल्ड सिटी एरिया, लांधी, गुलिसन-ए-जौहर, मलीर, गुलशन-ए-हदीद, औद्योगिक क्षेत्र, पाक कॉलोनी, शाह फैसल कॉलोनी, मॉडल कॉलोनी, और अन्य साइट शामिल हैं ।

पाकिस्तान के साथ उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है आईएमएफ : मरियम नवाज

लाहौर। (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ नेता मरियम नवाज ने कहा है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लिए एक ''बंधक'' है और उसके साथ वह एक उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है। मरियम नवाज ने वैश्विक ऋणदाता के साथ पिछले समझौतों का उल्लंघन करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आलोचना करते हुए यह बात कही। दरअसल, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है।

देश वाशिंगटन स्थित आईएमएफ से 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर की बेहद आवश्यक धनराशि का इंतजार कर रहा है। मरियम ने सोमवार को यहां लाहौर के मॉडल टाउन इलाके में युवाओं और सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, '' आईएमएफ हम पर भरोसा करने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान आईएमएफ का बंधक है और वह देश के साथ एक उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है। हम इसके चंगुल से निकलने की कोशिश करें, तो भी नहीं कर पाते हैं।''

पाकिस्तान के दैनिक समाचारपत्र डॉन की एक खबर के मुताबिक, मरियम ने पिछले आईएमएफ समझौते का उल्लंघन करने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान की कड़ी आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि इमरान खान की गलतियों की वजह से देश एक अरब रुपये की भीख मांग रहा है। मरियम (49) ने अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सरकार और इमरान खान की सरकार की तुलना करते हुए कहा कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की शुरुआत कर दी थी। उन्होंने, इमरान पर प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए उन्हें मिले उपहार बेच कर आर्थिक लाभ लेने और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को संकट में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। मरियम ने कहा, '' वह पार्टी कार्यकर्ताओं के पीछे क्यों छिप रहे हैं? वह फिर से प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। मैं पूछती हूं कि उन्होंने ऐसा क्या किया है कि उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाया जाए। इमरान खान ने कुछ जनरलों और न्यायाधीशों का समर्थन हासिल करने की कोशिश की। अब वह सत्ता में वापसी करने के लिए न्यायपालिका पर भरोसा कर रहे हैं।'' इस बीच, नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का रुवैया अपने प्रति नरम करने के लिए अमेरिका से मदद मांगने का फैसला किया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच कर्मचारी स्तर के समझौते पर अभी हस्ताक्षर नहीं हो पाए हैं। पाकिस्तान को आईएमएफ से 1.1 अरब डॉलर की किस्त भी अभी नहीं मिली है। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक कर्मचारी स्तर के समझौते पर आगे बढ़ने के लिए आईएमएफ को मनाने में विफल रहे पाकिस्तान के पास वाशिंगटन तथा अन्य पश्चिमी सहयोगियों से मदद मांगने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारी संकट में है। कुछ हफ्ते पहले उसका विदेशी मुद्रा भंडर 2.9 अरब डॉलर के बेहद निचले स्तर पर पहुंच गया

था। खबर के मुताबिक वित्त मंत्री इसहाक डार ने इस्लामाबाद में अमेरिकी राजनयिकों से संपर्क स्थापित किया है और अमेरिका के वित्त विभाग के हस्तक्षेप के जरिए गतिरोध को दूर करने में मदद देने का अनुरोध किया है।

इसमें कहा गया, ''अब आईएमएफ का कहना है कि बाहरी खाते पर 6-7 अरब डॉलर के वित्तपोषण अंतर को भरने के लिए पाकिस्तान अपने मित्र देशों और बहुपक्षीय लेनदारों से जून 2023 के अंत तक 200 प्रतिशत आश्वासन प्राप्त करे।'' मुद्राकोष ने पाकिस्तान से कहा है कि वह सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर तथा बहुपक्षीय ऋणदाताओं से छह से सात अरब डॉलर की बाहरी वित्तीय जरूरतों के लिए जून 2023 तक समर्थन प्राप्त करे ताकि वित्तीय अंतर को पाटा जा सके।

संपादकीय

इतना सरल बोध पाठ

अप्प कत्ता विकत्ता ए दुह्राणीये सुह्राणीये
अप्प मित्तममित्तम् च दुपट्ठिये सुपट्ठियो।

जैनधर्म की मान्यता के अनुसार आपकी आत्मा ही सत्प्रवृत्ति में आपकी मित्र और दुष्प्रवृत्ति में लगी आत्मा आपकी दुश्मन है। सत्य समत्व अहिंसा विनय पुरुषार्थ निष्ठाश्रद्धा वीतरागता ही आप को परमात्मा बना सकती है।माना की वर्तमान में भैतिकता की चकाचौंध ने हम सबको अंधा बना दिया हैं ।जो वजूद संस्कार के थे उन्हें बेगाना बना दिया है ।जो कभी अपना था ही नही उसे सबसे प्रिय बना दिया हैं । ये पदार्थ सुख और पैसे की माया ने हर जगह अपना आधिपत्य जमा लिया हैं ।परिभाषा, प्रगति ,विकास ,सामर्थ्य और अमीरी की पहचान बना दिया हैं । सुविधा और पैसों के परिधान ने प्यार और वात्सल्य को अपने में समा लिया है । जिसका अंजाम आज ये हो गया की अपनों को पराया बना दिया हैं । अब प्यार नहीं ,पैसों से आदमी की औक़ात को पहचान बना दिया हैं ।दिल नहीं अब रिश्तों को अलग ही व्यापार बना दिया हैं ।प्यार इंसान से नहीं उसको खुदगज़ी और ज़रूरत अनुसार घटा बढ़ा दिया है । कभी अपना व कभी पराया बना दिया हैं । अब इस संसार को ज़रूरतों के व्यापार का जहान बना दिया हैं । आम आदमी सही से कहाँ सोचता हैं । वह अगर डूबे तो समंदर को दोष देता हैं । मंजिल न मिले तो अपने मुकद्दर को दोष देता हैं । खुद तो संभल कर चल नहीं सकता जब ठोकर लगती है तो पत्थर को दोष देता हैं। वह दुःख का दोषी भगवान को ठहराने में ज़रा भी देर नही लगाता। पर वह क्या जाने की इस सुख-दुःख की कर्ता स्वयं आत्मा है। वही भोक्ता है। वही सुख-दुःख का अंत करनेवाला है और वही सुख-दुःख को देने वाला है। यह निश्चय नय का अभिमत है। उसके लिए तो एक भक्त का अपने भगवान से वैसा ही रिश्ता हैं जैसा दीये का बाती से, सीप का मोती से, सुर्य का ज्योति से आदि - आदि ।इसलिए दुःख में ख़ाली तक़दीर का रोना रोते हुए उस भगवान को कोसता हैं। दुख में सुमिरन सब करे सुख में करे न कोय ।जो सुख में सुमिरन करे दुःख काहे को होय इसलिये करें हम चिन्तन-मनन थोड़ा गहन। सुलग जाए अगर आत्मा की ज्योति की एक छोटी सी भी चिंगारी तो प्रसन्न हो जाए मन।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

आसान नहीं मोटे अनाज को बढ़ावा देने की राह

दिनेश सी. शर्मा

संयुक्त राष्ट्र और भारत की केंद्रीय सरकार द्वारा साल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के बाद सरकारी एजेंसियों की हरचंद कोशिश रहेगी कि भारत को मोटा अनाज उत्पादन और निर्यात का मुख्य धुरा बनाया जाए। मोटा अनाज मानव के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए वैसे भी अच्छा होता है और यह तीखे मौसम में भी उगाए जा सकते हैं। तथ्य है कि सदियों से मोटा अनाज भारतीय भोजन का हिस्सा और खुराक रहे हैं। वर्ष 1960 के दशक तक ज्वार, बाजरा और रागी का अंश भारतीयों के भोजन में लगभग एक-चौथाई हुआ करता था। लेकिन हरित क्रांति में धान और गेहूं की फसल को मिली तरजीह के बाद इनका अंश कम होता चला गया। जब से मोटे अनाज का उत्पादन और खपत कम होनी शुरू हुई तब से अब तक हमारी भोजन और खुराक संबंधी आदतें पूरी तरह बदल चुकी हैं। पिछले कुछ दशकों से हम निर्णायक रूप से महीन, प्रसंस्करित, पैकेट बंद और रेडी-टू-कुक भोजन की ओर मुड़ गए हैं। खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा 1960-70 के दशक से मिलना शुरू हुआ था ताकि खाद्यान्न की बर्बादी रोकी जा सके और कृषि उत्पाद का भंडारण लंबे समय तक हो पाए।प्रसंस्करित और पैकेट बंद खाद्य पदार्थों की ओर जाना आर्थिक उदारवाद लागू होने के बाद ज्यादा तेजी से हुआ। वर्ष 1991 के बाद, बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में प्रसंस्करित और अति-प्रसंस्करित खाद्य पदार्थों के अलावा अधिक चीनी युक्त पदार्थ उतारने शुरू किए। इस श्रेणी के खाद्य को जंक फूड यानी कबाड़ भोज कहा जाता है, इन अति-प्रसंस्करित पदार्थों में चीनी, नमक और वसा (सेचुरेटेड और अनसेचुरेटेड) की काफी मात्रा होती है, इनके आने के बाद भारतीयों में मोटापा और असंक्रमित रोगों का इजाफा होने लगा। ऐसी स्थिति में मोटे अनाज को भोजन का मुख्य हिस्सा बनाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। एक ओर किसानों को मौजूदा गेहूं-चावल वाले मुख्य फसल चक्र से हटकर इसकी पैदावार के लिए प्रेरित करना मुश्किल होगा तो दूसरी तरफ उपभोक्ता को अपनी खानपान आदतें सुधारने के लिए शिक्षित करना पड़ेगा। तिस पर यह डर यह है कि जंक फूड उद्योग अपनी प्रचार ताकत से मोटे अनाज के प्रति लोगों की रुचि पैदा ही न होने दें। जब से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जंक फूड को असंक्रमित रोगों के जोखिम का मुख्य कारक ठहराया है और नई पीढ़ी में जंक फूड के प्रचार-प्रसार को नियंत्रण करने के लिए नीतियां सुझाई हैं, तब से खाद्य कंपनियां अपने उत्पाद को किसी भी हीले-हवाले 'स्वास्थ्यप्रद' और 'प्राकृतिक' बताने का प्रयास करने लगी हैं। इसका रूप हमें मल्टीग्रेन बिस्किट, कम चीनी वाले कोला पेय, आटा, नूडल्स और 'दिल-मित्र खाद्य तेल', फ्रूट जूस इत्यादि में देखने को मिल रहा है और उन्हें घर में बने-उगाए भोजन-सब्जियों-फलों का सही विकल्प बताया जा रहा है। कुछ जंक फूड कंपनियों ने पहले ही हैदराबाद स्थित आईसीएमआर - राष्ट्रीय मोटा अनाज अनुसंधान केंद्र का दरवाज़ा खटखटाना शुरू कर दिया है। जंक फूड कंपनियों द्वारा अपने उत्पाद को स्वास्थ्यप्रद बताने का एक तरीका है पैकेट पर बड़े-बड़े दावे करते हुए मुख्य घटक और मिलाये गए नुकसानदायक अवयवों की जानकारी छिपाना। भारत की खाद्य नियामक संहिता के अनुसार सभी खाद्य पैकेटों पर तयशुदा सारणी के अनुसार 'पौष्टिकता सूचना' लिखना अनिवार्य है, जिसमें मुख्यतः चीनी, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स इत्यादि की जानकारी होती है। अब अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नियमन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक संस्थान ने प्रस्ताव दिया है कि खाद्य-पैकेट के मुख्य पार्श्व पर पौष्टिकता-अवयव संबंधी लघु जानकारी देने के अलावा पिछले हिस्से पर तफ्सील देना जरूरी किया जाए। कहा जा रहा है कि इससे ग्राहक को अपनी सेहत स्थिति के मुताबिक उत्पाद चुनने में मदद मिलेगी। यह सूचना आसानी से समझ में आने वाले चिन्हों या फिर पंक्ति (जैसा कि उत्पाद शाकाहारी है या गैर-शाकाहारी बताने में किया जाता है) के रूप में हो सकती है। इस बाबत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यकर्ताओं का सुझाव है कि यह ट्रैफिक सिग्नल सरीखे चेतावनी चिन्हों का प्रयोग करके हो सकती है वहीं खाद्य कंपनियां हेल्थ स्टार रेटिंग अथवा पौष्टिक स्टार रेटिंग का सुझाव दे रही हैं (जैसा कि विद्युत उपरकरणों पर बिजली खपत के बारे में होता है)। लेकिन स्टार रेटिंग व्यवस्था वास्तव में भ्रामक हो सकती है क्योंकि स्टार का चिन्ह लगते ही, भले ही एक हो या दो, ग्राहक को लगेगा कि खाद्य पदार्थ कुछ तो ठीक है। लोकल सर्कल नामक एजेंसी द्वारा करवाया उपभोक्ता सर्वे बताता है कि 10 में 7 ग्राहक चाहते हैं कि खाद्य-पैकेटों पर सामने की ओर चेतावनी संकेत जैसे कि लाल बिंदु होना चाहिए ताकि शिनाख्त करना आसान हो सके। अब हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान ने सूचना के विविध तरीकों पर ग्राहकों की राय जानने के लिए अध्ययन करवाया है। इसका निष्कर्ष है कि अगर पौष्टिकता और खतरे संबंधी सूचना का मकसद उपभोक्ता को इनको लेकर चिंताओं के बारे अवगत करवाकर खरीदने या न खरीदने का फैसला करवाना है तो पैकेट के अग्र भाग पर चेतावनी-संकेतक लेबल और पिछले हिस्से पर पौष्टिकता रेटिंग वाली प्रणाली ज्यादा मददगार होगी। किसी खाद्य पदार्थ की सकारात्मता संबंधी कुछ जानकारी उसमें प्रयुक्त फल, सब्जियां, फलियां, मोटे अनाज इत्यादि तो कुछ पौष्टिकता संबंधी तफ्सील से की जा सकती है। जहां तक स्टार रेटिंग वाले तरीके की बात है, जिसकी वकालत खाद्य कंपनियां और भारतीय खाद्य सुरक्षा नियामक भी कर रहा है- तो अध्ययन बताता है कि दो स्टार होने पर भी (अर्थात यह उत्पाद उतना स्वास्थ्यप्रद नहीं है) उपभोक्ता को लगेगा है इसमें 'चलो कुछ तो मिलेगा' और वह अन्य उत्पाद खरीदने में कम रुचि लेता है। इसके अलावा स्टार रेटिंग उन नियमों पर आधारित होगी जिनमें हेराफेरी होने और उद्योग द्वारा अपने उत्पाद को किसी भी तरीके से बढ़िया बताने वाली दलीलों से प्रभावित होने की गुंजाइश बनी रहेगी जबकि लेबल आधारित व्यवस्था वास्तविक अवयव बताएगी। किसी उत्पाद, जैसे कि बिस्किट, पास्ता या नूडल्स में सिर्फ थोड़ा से ज्वार या बाजरा मिला देने से उसकी पात्रता 'स्वास्थ्यप्रद' या 'पौष्टिकतापूर्ण' ठप्पा पाने की नहीं बन जाती। यहां सवाल आता है ग्राहक में पौष्टिकता संबंधी जागरूकता का, राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान ने अपने अध्ययन में उपभोक्ताओं में इसकी काफी कमी पाई है। इस अध्ययन में शामिल हुए लोगों में अधिकांश का दावा था कि वे पैकेट पर लिखी जानकारी पढ़ते तो हैं लेकिन यह मुख्यतः उत्पादन-तिथि और बेकार-तिथि तक सीमित होती है। हालांकि पैकेट पर उत्पाद शाकाहारी है या गैर-शाकाहारी, इनकी सूचना देना ज्यादा प्रचलन में है। इसलिए ग्राहक को जंक फूड के अस्वस्थकारी पहलू के बारे में सचेत करना है तो चेतावनी पैकेट अग्र-पार्श्व पर संकेत के रूप में होनी चाहिए। रंग आधारित कोड वाला लेबल ग्राहकों को आंशिक स्वास्थ्यप्रद या गैर-स्वास्थ्यप्रद उत्पाद चुनने में हतोत्साहित करेंगे। लेबलिंग किसी भी प्रकार की हो, इसकी सफलता के लिए पहले ग्राहक को राष्ट्रीय प्रचार अभियानों के जरिए जागरूक करना पड़ेगा, वर्ना जंक फूड उद्योग अपनी ताकत और नियामक संस्थान में 'मित्रों' के बूते मोटे अनाज और अन्य स्वास्थ्यप्रद विकल्प अभियान का अपहरण कर लेंगे।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के स्तंभकार हैं।

जरूरतमंद की मदद के लिए देना ही देवत्व

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

भारत की संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की धारणा को लेकर चली है, जहां हम खुद भूखे रह कर भी दूसरों को अन्न-जल देने में विश्वास करते आए हैं। यानी अपनी आवश्यकताओं को सीमित करते हुए दूसरों की मदद करने का संकल्प। यह देश तो उन महर्षि दधीचि का है, जिन्होंने देवताओं की प्राणरक्षा के लिए अपनी अस्थियों का दान कर दिया था। यहां उन दानवीर कर्ण को आदर्श माना जाता है, जिन्होंने 'कवच और कुंडल' दान में देकर अपना नाम 'दानवीरों' में सब से ऊपर अंकित करा लिया है। यानी अपनी सुरक्षा के लिये जरूरी कवच का त्याग नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिये दान दे दिया । एक दोहा है :-

'जीवन लेने का नहीं, देने का है नाम।
जिसको देना आ गया, गूंजा उसका काम।'

निःसंदेह, जब हम दूसरों के लिए अपना सर्वस्व देने को तत्पर हो जाते हैं, तभी हमारे जीवन का वह आदर्श पूर्ण होता है, जो महर्षि वेदव्यास जी ने अठारह पुराणों की रचना करने के बाद 'निष्कर्ष' बताते हुए लिखा है :-

'अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्,
परोपकारः पुण्याय, पापाय परपीडनम्।'

अर्थात् संसार में 'परोपकार' सबसे बड़ा पुण्य है और पर पीड़ा सबसे बड़ा पाप होता है। भारतीय अवधारणा रही है कि परोपकार से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं। जिससे भक्ति सार्थक होती है।

आज इसी विचार को लेकर एक बड़ी ही हृदयस्पर्शी और प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली है, जो अपने सभी विद्वान पाठकों से साझा करना चाहता हूं। यह बोधकथा इस प्रकार है :-

'एक बार की बात है कि एक शिक्षक किसी अमीर परिवार के अपने एक युवा शिष्य के साथ जंगल में स्थित खेतों की तरफ टहलने निकले। दोनों ने देखा कि रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते पड़े हुए हैं। वे जूते संभवतः पास के खेत में काम कर रहे किसी गरीब मजदूर के थे, जो अपना काम खत्म कर घर वापस जाने की तैयारी में था। तभी उस अमीर शिष्य को अपनी अमीरी के दंभ के चलते मजाक सूझा और उसने शिक्षक से कहा, 'गुरु जी, क्यों न हम ये जूते कहीं छिपाकर झाड़ियों के पीछे छिप जाएं; जब वो मजदूर इन्हें यहां नहीं पाकर घबराएगा, तो बड़ा मजा आएगा!' शिष्य की बात सुनकर शिक्षक को अच्छा नहीं लगा। वे अपने शिष्य को सबक सिखाना चाहते थे। वे अपने अमीर परिवार के शिष्य से बोले, 'किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना कदापि ठीक नहीं है। क्यों न, हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिप कर देखें कि इसका उस मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है?' शिष्य ने ऐसा ही किया और वे दोनों पास की झाड़ी में छुप गए। मजदूर अपना काम खत्म कर जूतों की जगह आया। तब उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाला, उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ। उसने जल्दी से जूता हाथ में लिया। देखा तो जूते के अन्दर कुछ सिक्के पड़े थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वो सिक्के हाथ में लेकर बड़े गौर से उन्हें पलट-पलट कर देखने लगा। फिर उसने इधर-उधर देखा। जब उसे वहां कोई नज़र नहीं आया, तो उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिए। अब उसने दूसरा जूता उठाया, उसमें भी उसे तब कुछ सिक्के पड़े मिले, तो मजदूर भाव-विभोर हो उठा और उसकी आंखों में आंसू आ गए। उसने हाथ जोड़कर कहा, 'हे भगवान! आज तो समय पर प्राप्त इस सहायता के लिए मैं अपने उस अनजान सहायक का लाख-लाख धन्यवाद करता हूं। उसकी सहायता और दयालुता के कारण ही आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और मेरे भूखे बच्चों को रोटी तो मिल सकेगी।' मजदूर की बातें सुनकर शिष्य की आंखें भर आयीं। तब शिक्षक ने शिष्य से कहा, 'क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा मजदूर के जूतों में सिक्के डालने से तुम्हें कम खुशी मिली है?' शिष्य बोला, 'गुरुदेव! आपने आज मुझे जीवन का जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवनभर नहीं भूलूंगा। आज मैं बात अच्छी तरह समझ गया हूं कि 'किसी से कुछ लेने की अपेक्षा देना' कहीं अधिक आनंददायी होता है। सच मानिए, देने का आनंद तो असीम है गुरुजी। देना ही देवत्व होता है।'

वास्तव में इस बोधकथा को पढ़ कर अंतर्मन में जो आनंदानुभूति हुई है, वह शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। कभी एक मुक्तक रचा था, जो गहरे निहितार्थ लिये हुए है। वह मुक्तक यह है :-

'ले तो सकते हैं सभी, तुम देना सीखो।
कराह सकते हैं सभी, तुम सहना सीखो।
बेबस नयनों में छलकते हों जब आंसू,
हंस तो सकते हैं सभी, तुम रोना सीखो।'

जीवन में महसूस किया है कि जब आप किसी की आंखों में आंसू देखकर रो सकते हैं, तो आप देवत्व को प्राप्त कर लेते हैं। जरा कभी, किसी मजबूर की मदद कर के तो देखिए, स्वयं आपका अंतर्मन ही आपका अभिनंदन करने लगेगा।

विचार मंथन

ब्रिटेन में 21000 प्रवासी भारतीय बेरोजगार

(लेखक - सनत जैन)

ब्रिटेन में 21000 से अधिक प्रवासी भारतीय बेरोजगार हैं। जब से ऋषि सुनक ब्रिटिश सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। उसके बाद से अवैध प्रवासियों पर अंकुश लगाने के लिए, ब्रिटेन की सरकार ने कड़ी नीतियां जारी की हैं। उसका असर अब वैध रूप से ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों पर भी पड़ रहा है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने पिछले 4 सालों में साढ़े चार लाख से ज्यादा आवेदन में से 63000 प्रवासियों को विभिन्न विभाग में नौकरी के आवेदनो को निरस्त किया है। इसमें 21000 से ज्यादा भारतीय प्रवासी भी शामिल हैं। जो अवैध रूप से ब्रिटेन में गए हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकारी विभागों में नस्ली एवं रंगभेद के कारण भारतीयों को नौकरी नहीं मिली है। उल्लेखनीय है, ब्रिटेन में रंगभेद के कारण दस्तावेज प्रथम दृष्टि में ही खारिज कर दिए जाते हैं। जब से सुनक प्रधानमंत्री बने हैं। उसके बाद इस पर और भी कड़ाई हो गई है। पिछले वर्षों में वैध रूप से गए भारतीयों को भी बैंक में खाता खोलने, हेल्थ केयर की सुविधाएं लेने और यात्रा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमेन ने प्रधानमंत्री सुनक की कड़ी नीतियों का समर्थन किया है। जिसके कारण वैध प्रवासी भारतीयों को भी बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन की सरकार अवैध रूप से आए हुए प्रवासियों को देश से बाहर भेजना चाहती है। लेकिन जो भारतीय वैध रूप से ब्रिटेन में रह रहे हैं। उनके साथ भी भेदभाव किया जा रहा है। ब्रिटेन सरकार की एक रिपोर्ट में यह स्वीकार भी किया गया है। भारत से आने वाले प्रवासियों के साथ भेदभाव हो रहा है। वैध और अवैध रूप से भारतीय प्रवासियों के बारे में चिन्हित करने के लिए जो नीतियां बनाई गई हैं। वह काफी दोषपूर्ण हैं। जिसका खामियाजा भारतवंशियों को भुगतना पड़ रहा है।

ब्रिटेन में भारत सहित अन्य देशों के लोगों द्वारा बड़ी संख्या में शरण मांगने के आवेदन, ब्रिटेन की सरकार को मिल रहे हैं। ब्रिटेन सरकार इस तरह के आवेदन को खारिज कर रही है। वैध रूप से प्रवासी भारतीयों के आवेदनों को भी अवैध की तरह मानते हुए निर्णय किया जा रहा है। जबकि यूक्रेन से आए हुए लगभग 3,00,000 लोगों को ब्रिटेन ने हाल ही में शरण दी है। ब्रिटेन में भारतवंशी प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के होते हुए भारतवंशियों के साथ जो व्यवहार हो रहा है। उसके कारण भारतीय प्रवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। इस संबंध में भारत सरकार को ब्रिटेन से बात करनी चाहिए। पिछले वर्षों में 21000 वेध भारतीय बेरोजगारी के शिकार होकर,यहां से वहां भटक रहे हैं। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है। भारत सरकार को इस दिशा में विशेष पहल करने की जरूरत है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है।

ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

दो अमेरिकी बैंकों की विफलताओं का भारत के बैंकों पर कोई असर नहीं: मूडीज

- एपीएसी बैंकों के लिए एचटीएम प्रतिभूतियों पर उचित मूल्य का नुकसान मामूली होगा

चेन्नई । (एजेंसी)

यूएस में दो निजी बैंकों सिग्नेचर बैंक और सिलिकॉन वैली बैंक की लगातार विफलता वैश्विक ऋण बाजारों में लिक्विडिटी को कड़ा कर देगी, जिसका प्रभाव भारत और एशिया प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में अधिकांश रेटेड वित्त संस्थानों के लिए सीमित होगा। मूडीज ने कहा कि दो अमेरिकी बैंकों के नीचे जाने का प्रभाव संरचनात्मक कारकों के कारण भारत और एपीएसी क्षेत्र के अन्य वित्तीय संस्थानों में सीमित रहेगा। इसके अलावा अधिकांश एपीएसी संस्थान विफल अमेरिकी बैंकों के संपर्क में नहीं हैं और केवल कुछ ही संस्थानों के पास सारहीन जोखिम हैं। अंत में अधिकांश संस्थान ऋण सुरक्षा होल्डिंग्स से बड़े नुकसान के लिए अतिसंवेदनशील नहीं हैं, जैसा कि सिलिकॉन वैली बैंक था। यूएस बैंक की विफलताओं का दूसरा क्रम प्रभाव अभी भी विकसित हो रहा है और इसे करीब से देखा जा रहा है। एपीएसी क्षेत्र में रेटेड बैंकों को ज्यादातर ग्राहकों की जमा राशि से वित्त पोषित किया जाता है, जबकि उनकी बाजार उधारी औसतन उनकी कुल संपत्ति का लगभग 16 प्रतिशत है। मूडीज के अनुसार एपीएसी में अधिकांश प्रणालियों में, सिलिकॉन वैली बैंक के मामले के विपरीत, होल्ड-टू-मैच्योरिटी (एचटीएम) उपकरणों में बैंकों का निवेश आम तौर पर टेंजिबल कॉमन इक्विटी के सापेक्ष पर्याप्त नहीं होता है। सने अपने बड़े एचटीएम निवेशों से पर्याप्त अप्राप्त हानियों का सामना किया। इन निवेशों को बाजार के हिसाब से चिन्हित नहीं किया जाता है, बल्कि इस तरह से मापा जाता है जब एक बैंक तरलता की कमी के कारण उन्हें बेचने का फैसला करता है। मूडीज ने कहा कि इसका मतलब यह है कि बढ़ती ब्याज दरों के बीच जब वे एचटीएम सिक्योरिटीज बेचते हैं तो बैंकों को नुकसान होता है।

अधिकांश एपीएसी बैंकों के लिए एचटीएम प्रतिभूतियों पर उचित मूल्य का नुकसान मामूली होगा, यहां तक कि असंभावित परिदृश्यों में भी जहां बैंकों को अपने एचटीएम पोर्टफोलियो के कुछ हिस्सों को बेचने की आवश्यकता होती है। अगर भारतीय बैंक अपने एचटीएम निवेश को बाजार में चिह्नित करते हैं, तो हम अनुमान लगा रहे हैं कि उन्हें बांड के बराबर मूल्य के 5-10 प्रतिशत या उनकी सीईटी1 पूंजी का 12-25 प्रतिशत नुकसान उठाना पड़ेगा। भारतीय बैंकों को इस तरह के नुकसान का एहसास होने की संभावना नहीं है क्योंकि उनकी फंडिंग और लिक्विडिटी इतनी मजबूत है कि वे अपनी एचटीएम सिक्योरिटीज को होल्ड कर सकते हैं।

सिलिकॉन बैंक के बाद छह और अमेरिकी बैंक खतरे में

नई दिल्ली । अमेरिका में वित्तीय संकट गहराता जा रहा है। अमेरिकी सिलिकॉन बैंक डूबने के बाद अब 6 और बैंकों पर खतरा बढ़ा गया है। इसको देखते हुए मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने 6 और बैंकों को रिव्यू में डाल दिया है। जिन बैंको को मूडीज ने रिव्यू में रखा है, उनके नाम हैं, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, जिओन्स बैनकॉपोरेशन, वेस्टर्न एलिएंस बैनकॉर्प, कॉमेरिका इंक, यूएमबी फाइनेंशियल कॉर्प और इंटूस्ट फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन। इसके साथ ही क्रेडिट रेटिंग कंपनी ने बैंक जमाकर्ताओं को की बिना बीमा वाली जमा राशि पर निर्भरता और उनके संपत्ति पोर्टफोलियो में नुकसान का खतरा बताया है। मूडीज ने न्यूयॉर्क बेस्ड सिग्नेचर बैंक की डेट रेटिंग को डाउनग्रेड कर जंक टेरिटरी में डाल दिया है। गौरतलब है कि मूडीज ने इससे पहले सिग्नेचर बैंक को पहले सबोर्डिनेट डेट सी रेट दिया था। इसके अलावा मूडीज सिग्नेचर बैंक की फ्यूचर रेटिंग को वापस ले लिया है। मूडीज के इस रेटिंग से अमेरिका की बैंकिंग सेक्टर के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सिग्नेचर बैंक को अमेरिकी रेग्युलेटर ने रविवार को बंद कर दिया था। अमेरिका के बैंकों के शेयर में बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है।

ऑप्टिमाइज्ड इलेक्ट्रोटेक ने निवेशकों से 20 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । डिफेंस टेक स्टार्टअप ऑप्टिमाइज्ड इलेक्ट्रोटेक ने कहा कि उसने निवेशकों से 20 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसे अपने विस्तार के लिए 'प्री-सीरीज़ बी'के दौर के इस निवेश में नेतृत्व राजीव ददलानी ग्रुप तथा इक्वेनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स और कई प्रतिष्ठित फेमिली आफिस और धनाढ्य वर्ग के व्यक्तिगत निवेशकों से यह निवेश प्राप्त हुआ। इस दौर में वेंचर कैपिटलिस्ट्स ने अपनी स्थिति और मजबूती की है। ड, स्टार्टअप ने कहा` कि अत्याधुनिक इंटेलिजेंट लॉन्ग रेंज सर्विलांस सिस्टम, उत्पाद नवाचारों और एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में व्यवसाय विकास के लिए 7.3 बिलियन डॉलर से अधिक की बाजार क्षमता के साथ डिजाइन करने के लिए उपयोग किया जाएगा। क्रिटी दौर का नेतृत्व राजीव ददलानी समूह ने किया था और इसमें इक्वेनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स और प्रतिष्ठित पारिवारिक कार्यालयों और उच्च निवल मूल्य वाले निवेशकों की भागीदारी भी देखी गई थी। वेंचर कैटेलिस्ट्स ने इस दौर में और निवेश कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। पहले के निवेशकों में जीवीएफएल और ढोलकिया वेंचर्स शामिल हैं।

सुजुकी मोटरसाइकिल ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से किया समझौता

नई दिल्ली। दोपहिया वाहनों की विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने वाहनों और कलपुर्जों के लिए अपने डीलर साझेदारों को थोक वित्तपोषण मुहैया करवाने की खातिर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के साथ समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि इस पहल से देशभर में कंपनी के डीलर साझेदारों को समर्थन मिलेगा और वे अपने कारोबार एवं परिचालनों का विस्तार कर पाएंगे। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि एक जिम्मेदार कंपनी होने के नाते हम अपने डीलर साझेदारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे कि वे अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा कर सकें। बैंक भारत में व्यवसायों को आवश्यक वित्तीय साधन उपलब्ध करवाकर कारोबारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईपीपीबी खुद को एक वैश्विक बैंक में बदलना चाहता है: सीईओ

नई दिल्ली । इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जे वेंकटरामू ने कहा कि आईपीपीबी खुद को एक वैश्विक बैंक में बदलना चाहता है क्योंकि डाकघर शाखाओं का विशाल नेटवर्क वित्तीय समावेश हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि आईपीपीबी जब 2018 में शुरू हुई थी तब 80 प्रतिशत लेनदेन नकद में होता था। हालांकि, लोगों द्वारा प्रौद्योगिकी अपनाने के बाद अब 80 प्रतिशत लेनदेन डिजिटल जबकि सिर्फ 20 प्रतिशत लेनदेन नकद में होता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में वेंकटरामू ने कहा कि यदि हमें एक संपूर्ण बैंकिंग लाइसेंस मिलता है, विशेष रूप से वित्तीय समावेशन के लिए तो हमें बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। वह बैंक के सार्वभौमिक बैंक लाइसेंस के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से संपर्क करने से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्ज वित्तीय समावेश के साथ-साथ सामाजिक उत्थान का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डाकघरों का विशाल नेटवर्क वित्तीय समावेश और कर्ज का विस्तार करने में मदद कर सकता है।

अडानी के शेयरों में फिर गिरावट, तीन में लगा लोअर सर्किट

- अडानी ग्रुप की दस कंपनियों में से 5 के शेयर लाल निशान पर खुले

नई दिल्ली । (एजेंसी)

शेयर बाजार में बढ़त के बावजूद अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को भी गिरावट देखने को मिल रही है। ग्रुप की दस कंपनियों में से 5 के शेयर लाल निशान पर खुले हैं। इन स्टॉक्स में गिरावट देखी जा रही है। पिछले कुछ दिनों से अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। कल भी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई थी। बाजार में गिरावट के साथ ही गौतम अडानी की नेटवर्थ की कम हुई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में दोबारा 22वें नंबर पर लुढ़क गए हैं। अडानी ग्रुप की तीन कंपनियों के स्टॉक्स में बुधवार को भी लोअर सर्किट देखने को मिल रहा है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। पिछले दिनों ग्रुप की कंपनियों के स्टॉक्स में तेजी देखी गई थी। लेकिन अब फिर से शेयर लाल निशान पर पहुंच गए हैं। अडानी पॉवर में भी लोअर सर्किट लगा हुआ है। यह शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ 194.15 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह शेयर सुबह लोअर सर्किट के साथ ही खुला था। अडानी टोटल गैस के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा हुआ है। यह शेयर पांच फीसदी की गिरावट के साथ 899.85 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्टॉक भी लोअर सर्किट के साथ ही खुला है। अडानी ट्रांसमिशन के शेयर भी लोअर सर्किट के साथ ही खुले हैं। यह शेयर पांच फीसदी की गिरावट के साथ 857.10 रुपए के लेवल पर कारोबार कर रहे हैं।अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। यह शेयर 14 अंकों के उछाल के साथ 1754 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में भी 2 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। यह शेयर 723.90 रुपए के लेवल पर कारोबार कर रहे हैं। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक ज़ोन लिमिटेड के शेयर भी पांच अंकों के उछाल के साथ 659.95 रुपए के स्तर पर कोरोबार कर रहे हैं। अडानी विल्मर के शेयर भी बढ़त के साथ 415.70 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

नोवो नोडिस्क इंसुलिन की कीमत 75 प्रतिशत कम करेगी

मुंबई । (एजेंसी)

यूएस स्थित दवा निर्माता कंपनी नोवो नॉर्डिस्क कंपनी ने डायबिटीज की दवाओं की कीमत में ज्यादा कमी की है। कंपनी ने यह फैसला इलाज में बढ़ते खर्च को देखते हुए उठाया है। गौरतलब है कि नोवो नॉर्डिस्क यूएस समेत दुनिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी है। कंपनी की ओर से बताया गया कि वह डायबिटीज की दवाओं में 75 प्रतिशत की कटौती करेगी। कंपनी ने बताया कि अगले साल जनवरी 2024 से नोवोलीन और लेवेमीर की कीमतों में 65 प्रतिशत तक की कटौती की जाएगी। इसके अलावा नोवो ने अपने गैर-ब्रांडेड डायबिटीज प्रोडक्ट की कीमतों में कटौती करने की योजना बनाई है ताकि नोवो के संबंधित ब्रांड की कम कीमत से मिलान किया जा सके। नोवो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्टीव एल्बर्स ने कहा कि हम आगे बढ़ने के लिए एक स्थाई समाधान खोज रहे हैं, जो मरीज की क्षमता के अनुसार और बाजार के मुताबिक और नीतिगत बदलावों को मैनेज करना है। उन्होंने कहा कि नोवो नॉर्डिस्क यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि डायबिटीज से पीड़ित मरीज हमारे दवाओं का खर्च उठा सकें, यह एक जिम्मेदारी है जिसे हम गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि बीमा वाले बहुत से लोग लागत में एक समान गिरावट नहीं देख सकते हैं क्योंकि वे निश्चित मासिक प्रतिपूर्ति का भुगतान करते हैं। फिर भी अबीमाकृत लोग और उच्च-कटौती योग्य स्वास्थ्य योजनाओं वाले लोग कीमतों में कटौती के परिणामस्वरूप कम लागत देख सकते हैं।

फेसबुक की मेटा ने 10,000 नौकरियां और घटाई

मुंबई । फेसबुक की मूल कंपनी मेटा 10,000 नौकरियां और कम कर रही है और व्यय में कटौती करते हुए वह 5,000 रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं करेगी। कंपनी ने बताया कि वह अपने नियोक्ता टीम का आकार घटाएगी और अपने प्रौद्योगिकी समूह में अप्रैल के अंत में और लोगों को नौकरी से निकालेगी। उसके बाद मई के अंत में व्यापारिक समूह में से लोगों को नौकरी से निकालेगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि यह मुश्किल रहेगा लेकिन और कोई रास्ता नहीं है। इसका मतलब हमारी सफलता का हिस्सा रहे प्रतिभाशाली और जुनूनी सहयोगियों को अलविदा कहना होगा। कंपनी ने मेटावर्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कई अरब डॉलर का निवेश किया है। इसने ऑनलाइन विज्ञापन बाजार में गिरावट और टिकटॉक जैसे प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धा से प्रभावित होकर चौथी तिमाही में कम लाभ और राजस्व दर्ज किया था। कंपनी ने नवंबर में 11,000 नौकरियां खत्म करने की घोषणा की थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट बिकवाली हावी रहने से आई है। कारोबार के दौरान बैंकिंग, रियल्टी शेयरों में बिकवाली हुई जबकि एफएमसीजी, ऑटो और आईटी शेयरों पर भी दबाव देखा गया। वहीं मेटल, पीएसई, फार्मा और उर्जा शेयरों में बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 344.29 अंक करीब 0.59 फीसदी टूटकर 57,555.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 71.15 अंक तकरीबन 0.42 नीचे आकर 16,972.15 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 8 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इस दौरान एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, टाइटन, लार्सन एंड टूब्रो और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक करीब 3 फीसदी लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 22 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, रिलायंस, हिंदुस्तान युनिलिवर और एचडीएफसी बैंक के पांच शेयर गिरे हैं। सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 2 फीसदी नीचे आये हैं। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर ही बंद हुआ था। वहीं आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों से बाजार की तेज शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही मुनाफावसूली शुरु होने से बाजार गिरने लगा। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट को 70 बेसिस अंक या 0.7 फीसदी बढ़ाकर 14.85 फीसदी कर दिया है। अभी यह 14.15 फीसदी है। बैंक ने बेस रेट को भी मौजूदा 9.40 फीसदी से 70 बीपीएस बढ़ाकर 10.10 फीसदी कर दिया है। श्रीराम फाइनेंस, श्रीराम हाफसिंग फाइनेंस में 15 फीसदी हिस्सा बेच सकती है। श्रीराम फाइनेंस करीब 1000 करोड़ रुपये में 15 फीसदी हिस्सा बेच सकती है। श्विक अमेरिका में फरवरी के महंगाई आंकड़ो में गिरावट आई है, जो कि सालाना आधार पर 6.4 फीसदी से घटकर 6 फीसदी रही। इससे अमेरिकी, यूरोपियन समेत एशियाई बाजार में मजबूती है। जापान का निक्केई और कोरिया के कोस्पी में एक फीसदी की तेजी दर्ज की जा रही है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक बैंकों ने 4.2 लाख करोड़ उधार लिए

नई दिल्ली । (एजेंसी)

तरलता की स्थिति में ढांचागत बदलाव होने से अधिशेष नकदी बहुत कम हो गई और उधारी तेजी से बढ़ने के कारण बैंक इस वित्त वर्ष में लघु अवधि के ऋण पर ज्यादा निर्भर हो गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक बैंकों ने औसतन 4.2 लाख करोड़ रुपए उधार लिए हैं, जबकि पिछले वित्त वर्ष में औसत उधारी केवल 2.6 लाख करोड़ रुपए थी। आरबीआई के आंकड़े हर पखवाड़े बदलते हैं और ताजा आंकड़ों में 24 फरवरी को बैंकों की बकाया उधारी दिखाई गई है। मार्च के दूसरे पखवाड़े में नकदी की स्थिति ज्यादा तंग होती दिख रही है, इसलिए वित्त वर्ष के बाकी दो पखवाड़ों में बैंक उधारी बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर मौद्रिक ढिलाई खत्म करने के आरबीआई के प्रयासों से अधिशेष नकदी में तेज कमी आई और सितंबर 2022 में पहली बार बैंक उधारी 5 लाख करोड़ रुपए के पार चली गई। अक्टूबर में भी उधारी उससे ऊपर ही रही। आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि बैंक उधारी में घरेलू उधारी के साथ बैंकिंग प्रणाली के बाहर की कुल उधारी भी शामिल है। इसमें भारतीय बैंकों द्वारा विदेश से लिया गया उधार भी शामिल है। आरबीआई से ली गई उधारी को इससे बाहर रखा गया है। विश्लेषकों ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए उधारी मद में दिए गए आंकड़े अल्पकालिक उधारी जैसे अंतरबैंक रीपो कार्रवाई और त्रिपक्षीय रेपो को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि उसमें अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड और इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी करना भी शामिल है मगर जमा पत्र इसमें शामिल नहीं हैं।

देश के पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की घोषणा जल्द

- आगामी 3 से 4 साल में भारत एक बेहतरीन सेमीकंडक्टर उद्योग का केंद्र बनने को तैयार

मुंबई ।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट की घोषणा आने वाले सप्ताहों में हो सकती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) पार्टनरशिप समिट में वैष्णव ने संकेत दिए कि और ज्यादा घोषणाएं की जाएंगी और कहा कि यह केवल शुरुआत है। केंद्र सरकार विनिर्माण को प्रोत्साहित करने और हिस्सेदारों के साथ सक्रियता से काम करने की कवायद कर रही है। आगामी 3 से 4 साल में भारत एक बेहतरीन सेमीकंडक्टर उद्योग का केंद्र बनने को तैयार है। सेमीकंडक्टर फैब एक विनिर्माण संयंत्र होता है, जिसमें रॉ सिलिकन वेफर्स को इंटीग्रेटेड सर्किट में बदला जाता है। भारत ऐसे समय में वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने के लिए अमेरिका, दक्षिण कोरिया और यूरोप के देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है, जब प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं इस उद्योग को भारी सब्सिडी दे रही हैं। आज यहां इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल फोन मेड इन इंडिया हैं, जबकि 10 साल पहले स्थिति उल्टी थी, जब 100 फोन में से 99 प्रतिशत आयातित होते थे। सेमीकंडक्टरों का घरेलू उत्पादन केंद्र सरकार का प्रमुख एजेंडा है, क्योंकि कोविड-19 के बाद इसकी आपूर्ति में व्यवधान आया है, जिसका असर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पर पड़ा। पिछले सप्ताह अमेरिका और भारत ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने और नवोन्मेष साझेदारी के लिए समझौता किया था, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में चिप्स के महत्त्व का पता चलता है। वैष्णव ने कहा कि आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर केंद्र बनना एक बड़ा लक्ष्य है, लेकिन केंद्र सरकार इस दिशा में सफलता के लिए हर कदम उठाने को प्रतिबद्ध है। रेलवे और टेलीकॉम मंत्रालय का भी कार्यभार संभाल रहे वैष्णव ने कहा कि 4जी और 5जी सेवाओं की कनेक्टिविटी अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 45,000 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। रेलगाड़ियों में हाइपरलूप तकनीक के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा कि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन हकीकत में यह तकनीक अभी कम से कम 7-8 साल दूर है।

एफसीआई ई-नीलामी से 10.13 लाख टन गेहूं और बेचेगा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने गेहूं और आटा की कीमतों पर लगाम लगाने के सरकार के प्रयासों के तहत बुधवार को होने वाली ई-नीलामी के छठे दौर में थोक उपभोक्ताओं को 10.13 लाख टन गेहूं बेचने की योजना बनाई है। केंद्र ने कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 50 लाख टन गेहूं खुले बाजार में बेचने की घोषणा की है। इसमें से 45 लाख टन आटा मिलों सहित थोक उपभोक्ताओं को बेचा जाना तय किया गया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने अब तक आयोजित पांच दौर की ई-नीलामी में थोक उपभोक्ताओं को 28.85 लाख टन गेहूं बेचा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक, एफसीआई 15 मार्च को होने वाली छठे दौर की ई-नीलामी में थोक उपभोक्ताओं को 10.13 लाख टन गेहूं बेचेगा। एफसीआई अपने 620 डिपो से गेहूं की बिक्री करेगा।

पिछले दौर में एफसीआई ने खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत आटा मिलों सहित थोक उपभोक्ताओं को 5.39 लाख टन गेहूं बेचा था। अधिकारी ने कहा कि खुले बाजार में गेहूं की बिक्री से देश में गेहूं और आटे की कीमतों में कमी लाने में मदद मिली है।

फीफा ने नया मैच कैलेंडर घोषित किया

जिनेवा । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने नया अंतरराष्ट्रीय मैच कैलेंडर घोषित कर दिया है। इस मैच कैलेंडर के अनुसार पुरुषों के 16-दिवसीय, चार-मैच विंडो 2026 से सितंबर के अंत और अक्टूबर की शुरूआत में, साथ ही मार्च, जून और नवंबर प्रत्येक में नौ-दिवसीय, दो-मैच विंडो शुरू की जाएगी। वहीं साल 2026 फीफा विश्व कप का फाइनल 19 जुलाई, 2026 को खेला जाएगा। किगाली, रवांडा में 73वीं फीफा कांग्रेस से पहले फीफा परिषद की एक बैठक हुई और इसमें विशेष रूप से पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं के भविष्य को लेकर कई अहम फैसले हुए। इसमें आम राय से 2026 फीफा विश्व कप के लिए प्रारूप में बदलाव के साथ ही तीन के 16 समूहों से चार के 12 समूहों में बदलने को भी सहमति दे दी गयी। इसमें शीर्ष दो और आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 32 के दौर में सबसे आगे थीं। वहीं दूसरी ओर महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय मैच कैलेंडर 2024-2025 में प्रति वर्ष छह अंतरराष्ट्रीय विंडो शामिल की गयी हैं। इसके अलावा 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों का महिला फुटबॉल टूर्नामेंट 25 जुलाई से 10 अगस्त तक खेला जाएगा।

महिला मुक्केबाजी विश्व चैंपियन

भारत की नजरें स्वदेश में मजबूत प्रदर्शन पर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत गुरुवार से यहां शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप में महिला मुक्केबाजी में अपने बढ़ते रुतबे के अनुरूप मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा तो उसे निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन से काफी उम्मीदे होंगी। बाएं घुटने की चोट से उबर रहीं छह बार की चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज एमसी मेरीकोम की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियन निकहत और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना 12 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। दोनों मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक के नजदीक आने के बीच नए वजन वर्गों में अपने पैर जमाने की कोशिश करेंगी। दुनिया की चौथे नंबर की मुक्केबाज निकहत ने अपना वजन वर्ज 52 किग्रा से घटाकर 50 किग्रा कर लिया है। उन्होंने पिछले साल तुर्की में 52 किग्रा वर्ग में ही खिताब जीता था। दूसरी ओर लवलीना ने 69 किग्रा वेल्टरवेट वर्ग से अपना वजन बढ़ाकर 75 किग्रा मिडिलवेट वर्ग में किया है क्योंकि 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए उनके दोनों पसंदीदा वजन वर्ग को हटा दिया गया है। निकहत के लिए 50 किग्रा वर्ग में यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। उन्होंने लाइट फ्लाई वेट वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीता लेकिन बर्मिंघम खेलों में मुकाबला उतना कड़ा नहीं था। हालांकि यहां ऐसा नहीं होगा। ओलंपिक भार वर्ग होने के कारण निकहत को को पोडियम पर जगह बनाने के लिए कुछ शीर्ष मुक्केबाजों का सामना करना पड़ेगा। विश्व चैंपियनशिप की दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में एशियाई चैंपियनशिप जीती थी लेकिन वह अब भी अपने नए भार वर्ग के अनुसार ढल रही हैं। लवलीना ने कहा, 'मेरे मुक्कों की ताकत में सुधार पर ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि मेरे विरोधी 69 किग्रा वर्ग के मुकाबले ज्यादा मजबूत होंगे।% नजरें राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन नीतू घंघास (48 किग्रा) और पिछले सत्र की कांस्य पदक विजेता मनीषा मोन (57 किग्रा) पर भी होंगी। साक्षी चौधरी (52 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), शशि चोपड़ा (63 किग्रा), सनामचा चानू (70 किग्रा) से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। यह तीसरी बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। लेकिन कई देशों के बहिष्कार, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बीच संघर्ष और एक अदालती मामले ने टूर्नामेंट की चमक को कम कर दिया है। रूस के उमर क्रेमलेव की अध्यक्षता में आईबीए ने आईओसी की सिफारिशों के विपरीत रूस और बेलारूस के मुक्केबाजों को अपने स्वयं के ध्वज तले प्रतिस्पर्धा पेश करने की अनुमति दी थी जिसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड सहित 10 से अधिक देश टूर्नामेंट से हट गए। इसके अलावा दो विश्व निकायों के बीच चल रहे झगड़े ने बहुत भ्रम पैदा किया है क्योंकि आईओए ने कहा कि वह 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर का प्रभारी होगा न कि आईबीए जो 2019 से निलंबित है। लेकिन आईबीए ने घोषणा की कि वे क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और इस साल पुरुषों और महिलाओं की विश्व चैंपियनशिप मुख्य क्वालीफायर होगी।

क्रेमलेव ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि आईओसी क्वालीफाइंग स्पर्धाओं का प्रभारी बना रहेगा और दोनों निकायों को सहयोग और समन्वय करने की आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट आईबीए प्रबंधित होने चाहिए।

हरमनप्रीत सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली कप्तान बनीं

मुम्बई ।(एजेंसी)

कप्तान हरमनप्रीत कौर की मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स को हराने के साथ ही अपना लगातार पांचवां मैच जीता है। इसी के साथ मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में भी पहुंच गयीं। वह पहली बार खेले जा रहे महिला प्रीमियरलीग के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम है। हरमनप्रीत ने इस जीत के साथ ही महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई दिग्गज कप्तानों को पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ ही डब्ल्यूपीएल मैच में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में हरमनप्रीत शीर्ष पर पहुंच गई हैं। इस मामले में वह महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, गौतम गंभीर, हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, ऋषभ पंत और वीरेंद्र सहवाग से आगे निकल गयी हैं। इन सभी खिलाड़ियों के नाम अपनी-अपनी टीमों को लगातार चार मैचों में जीत दिलाने का रिकार्ड है।

हरमनप्रीत के साथ-साथ ही मुंबई इंडियंस ने भी एक नया रिकार्ड कायम किया है। मुंबई अभी अकेली टीम है जिसने महिला प्रीमियर लीग के अपने पहले पांच मैच जीते। आईपीएल में भी कोई टीम ऐसा कमाल नहीं कर पाई है।

इंडियन वेल्स: राडुकानू को हराकर स्वीयाटेक क्वार्टरफाइनल में

इंडियन वेल्स, (एजेंसी)

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इंगा स्वीयाटेक ने 2021 की यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू को चौथे राउंड में 6-3, 6-1 से हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उनका अंतिम आठ में रोमानिया की सोराना कर्स्टी से मुकाबला होगा।स्वीयाटेक ने यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट में जीता। स्वीयाटेक ने मैच में 22 विनर्स लगाए और 14 बेजां भूलें कीं। उन्होंने 10 ब्रेक अंकों में से चार को भुनाया। राडुकानू ने नौ विनर्स लगाए और 22 बेजां भूलें कीं। वह दो ब्रेक अंकों में से एक भी नहीं भुना सकीं। स्वीयाटेक का कर्स्टी से यह दूसरा मुकाबला होगा। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए राउंड 16 में कर्स्टी को 5-7, 6-3, 6-3 से हराया था। कर्स्टी ने नंबर पांच कैरोलिन गार्सिया को 6-4, 4-6, 7-5 से हराकर अपने पहले इंडियन वेल्स क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी।

टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल भी 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए: बांगड़

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों से सावधान रहना होगा

मुम्बई । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है कि जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम को 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। भारतीय टीम इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में डब्ल्यूटीसी फाइनल किसी भी हाल में जीतना चाहेगी। पिछले बार उसे विराट कोहली की कप्तानी में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद से ही उत्साहित है और अब उसका लक्ष्य डब्ल्यूटीसी का खिताब जीतना रहेगा। इसमें भारतीय टीम को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 7 जून से इंग्लैंड में होना है। द ओवल में खेले जाने वाले इस खिताबी मुकाबले में तेज गेंदबाजों की भूमिका महत्वपूर्व होगी। बांगड़ ने कहा कि जून में इंग्लैंड में मौसम ठंडा है। ऐसे में टीम इंडिया को भी 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरना होगा। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव डाल सकती है क्योंकि तेज पिचों पर से खतरनाक साबित होते हैं। कंगारु तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपनी धरती पर भारत के खिलाफ 8 टेस्ट में 23 की औसत से 35 विकेट लिए थे। 27 रन देकर 6 विकेट उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

ऐसे में भारतीय टीम के सामने यही एकमात्र विकल्प है कि वह अपने बल्लेबाजों को इस प्रकार की पिचों पर खेलने का अभ्यास कराये।बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया में भारत के खिलाफ 11 टेस्ट में घर में 35 की औसत से 35 विकेट लिए हैं। 53 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड ने 11 टेस्ट में सबसे अधिक 42 विकेट भारतीय टीम के खिलाफ ही लिए हैं। 2 बार 5 विकेट भी लिया है.

इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का प्रदर्शन जबरदस्त रहा है। कमिंस ने 5 टेस्ट में 20 की औसत से 29 विकेट लिए हैं. 32 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं मिचेल स्टार्क ने 9 टेस्ट में 33 विकेट लिए हैं। 111 रन देकर 7 विकेट उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग के तीसरे मैच में इंडिया महाराजा दस विकेट से जीती

गंभीर ने लगाया तीसरा अर्धशतक

दोहा । (एजेंसी)

कतर में जारी पूर्व क्रिकेटरों की लीजेंड्स लीग में इंडिया महाराजा ने अपने तीसरे मैच में एशिया लायंस को दस विकेट से हरा दिया। पहले दो मैचों में एशिया लायंस और वर्ल्ड जायंटस के खिलाफ इंडिया महाराजा टीम को हार का सामना करना पड़ा था पर तीसरे मैच में इंडिया महाराजा ने कोई गलती नहीं की। इंडिया महाराजा को यह जीत कप्तान गौतम गंभीर और रॉबिन उथप्पा ने दिलायी। गंभीर ने नाबाद 61 और उथप्पा ने 88 रन बनाये। गंभीर ने पहले दो मैचों में भी अर्धशतक लगाया था। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए एशिया लायंस ने 157 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इंडिया महाराजा ने बिना किसी नुकसान के आसानी से हासिल कर लिया।

इस मैच में इंडिया महाराजा के कप्तान गंभीर ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया। एशिया लायंस की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज उपल थरंगा और तिलकरत्ने दिलशान के बीच हुई साझेदारी से टीम ने 157 रन

बनाये। उपल ने 69 रन बनाये। उनके आउट होने के बाद एक के बाद एक विकेट गिरते रहे पर दिलशान ने 32 और रज्जाक ने 27 रन बनाकर टीम को 157 रनों तक पहुंचाया। इंडिया महाराजा की ओर से हरभजन सिंह ने शानदार गेंदबाजी की और 12 रन देकर 1 विकेट लिया। सुरेश रैना ने दो ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इससे पहले दो मैचों में इंडिया महाराजा को हार का सामना करना पड़ा था हालांकि गंभीर ने दोनो ही मैचों में अर्धशतक लगाये थे पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये।

ईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे अक्षर : पोंटिंग

तकनीक में बदलाव करने से बेहतर बल्लेबाज बने

दुबई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि कुछ तकनीकी बल्लेबाजों से स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल एक बेहतर बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं। अक्षर ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त हुई सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी। पोंटिंग के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते समय किए गए हल्के तकनीकी बदलावों से ही अक्षर को बेहतर बल्लेबाज बनने में सहायता मिली। पोंटिंग को उम्मीद है कि अक्षर आगामी आईपीएल में भी दिल्ली कैपिटल्स की ओर से अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगे। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में चार मैचों में तीन बार पचास रन से अधिक बनाने के साथ ही कुल मिलाकर 264 रन बनाए और वह विराट कोहली (297 रन) के बाद भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। पोंटिंग ने कहा, मैं अक्षर को लंबे समय से जानता हूं और जब मैं पहली बार मुंबई की टीम से जुड़ा था तो वह टीम में शामिल एक युवा खिलाड़ी था। उन्होंने कहा, मैं जानता था कि उसमें बल्लेबाजी कौशल है हालांक पिछले दो वर्षों को छोड़कर वह आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी पारी नहीं खेल पा रहा था। पोंटिंग ने कहा, हमने उसकी बल्लेबाजी में थोड़े बदलाव किए। हमने उसके कूल्हों और कंधों की स्थिति में हल्के बदलाव किए जिससे उसे दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों और शार्ट पिच गेंदों को खेलने में सहायता मिली। वहीं इससे पहले शार्ट पिच गेंदें उसकी कमजोरी हुआ करती थीं। अक्षर ने साल 2013 में मुंबई इंडियंस की तरफ से आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बेहतर प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

रुसी, बेलारूसी तटस्थ एथलीटों का विरोध नहीं करेंगे फ्रांसीसी : आईओसी

लुसाने । अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद भी साल 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में रूसी और बेलारूसी तटस्थ एथलीटों के प्रति लोगों का अच्छा रुख रहेगा। साथ ही कहा कि एक ऑनलाइन सर्वेक्षण से पता चलता है कि अधिकांश फ्रांसीसी लोग ओलंपिक में तटस्थ एथलीटों के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रूसी या बेलारूसी खिलाड़ियों के खिलाफ नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस सर्वेक्षण में 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 1,005 फ्रांसीसी लोगों की प्रतिक्रियाएं शामिल थीं। आईओसी ने , मतदान में पाया गया कि 72 फीसदी फ्रांसीसी लोग रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट के साथ एथलीटों के भाग लेने के पक्ष में हैं। वहीं 44 फीसदी का मानना है कि उन्हें झंडे, गीत , रंगों के उपयोग के बिना एक तटस्थ बैनर के तहत खेलों में शामिल होना चाहिए। आईओसी के अनुसार, पिछले सप्ताह और महीनों में रूसी और बेलारूसी एथलीट तटस्थ खिलाड़ियों के रूप में कई अंतरराष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे हैं। गौरतलब है कि पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट वाले खिलाड़ियों के भाग लेने को लेकर कोई चर्चा या फैसला नहीं हुआ है। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद से ही कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में इन दोनो ही देशों के खिलाड़ियों का बहिष्कार हुआ था। ऐसे में ये खिलाड़ी अपने देश के झंडे की जगह पर तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर उतरने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए तैयार : आईबीए

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज एसोसिएशन (आईबीए) के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने कहा है कि भारत ने आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 के आयोजन के लिए अच्छी तैयारी की है। टूर्नामेंट के इस 13वें सत्र में खिताब के लिए 65 देशों के 300 से अधिक मुक्केबाज उतरेंगे। इसमें 12 भार वर्गों में 20 करोड़ रुपये का पुरस्कार रखा गया है। क्रेमलेव के अनुसार भारत में हुए खेल के विकास को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह महिला मुक्केबाजी के लिए एक तरह से राजधानी की तरह बन गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट भारत में सबसे ज्यादा तीसरी बार हो रहा है। वहीं इसके पिछले दो संस्करण साल 2006 और 2018 में भी भारत में ही हुए थे। क्रेमलेव ने कहा, भारत महिला मुक्केबाजों के लिए राजधानी की तरह बन गया है। साथ ही कहा कि आम तौर पर 250 से 260 मुक्केबाज इस तरह की चैंपियनशिप में भाग लेते हैं पर इस साल यह एक बड़ी चैंपियनशिप है। ऐसे में देखा जाये तो भारत मुक्केबाजी के लिए एक बेहतर स्थान बनकर उभरा है। यहां एक से बढ़कर एक मुक्केबाज उभर रहे हैं।

सायना नेहवाल आल इंग्लैंड ओपन से हटीं

नई दिल्ली। भारत की सायना नेहवाल आल इंग्लैंड ओपन 2023 से हट गयी हैं जिसका कारण अभी तक पता नहीं है। रिपोटेरं के अनुसार सायना की जगह सिंगापुर की यियो जिया मिन ने ली है।इस बीच भारतीय स्टार लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल के पहले राउंड में विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी चोउ तिएन चेन को हराया जबकि एच एस प्रणय ने विश्व के 24वें नंबर के चीनी ताइपे के वांग जू वेई को मंगलवार को हराया।प्रणय ने 49 मिनट में ओपनिंग मुकाबला 21-19, 22-20 से जीत लिया। उनका राउंड 16 में तीसरी सीड इंडोनेशिया के एंथनी सिनिसुका गिंटिंग से मुकाबला होगा।पिछले साल आल इंग्लैंड के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य ने चीनी ताइपे के तिएन चेन को 21-18, 21-19 से हराया।

हम त्रिकोणीय टूर्नामेंट जीतने की पूरी कोशिश करेंगे : इगोर स्टिमाक

नई दिल्ली, (एजेंसी)

भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम नौ महीने के बाद अपनी जमीन पर 22 मार्च से होने वाले त्रिकोणीय फुटबॉल टूर्नामेंट में एक्शन में लौटेगी और प्रमुख कोच इगोर स्टिमाक ने जोर देकर कहा है कि उनकी टीम इसे जीतने के लिए पुरजोर कोशिश करेगी।इम्फाल ब्लू टाइगर्स (फीफा रैंकिंग में 106 स्थान) का पहली बार स्वागत करेगी। टूर्नामेंट की दो अन्य टीमें किर्गिज गणराज्य (94) और म्यांमार (159) हैं। स्टिमाक ने टीम को एक और बार एशिया कप के लिए क्वालीफाई करवाया है लेकिन वह उससे संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कोलकाता में राष्ट्रीय कैम्प में एआईएफएफडॉटकॉम से कहा, यह पहला कदम है जो हम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। जब मैं टीम से जुड़ा, तो मुख्य लक्ष्य टीम को पुनर्गठित करना था, एक अलग शैली की फुटबॉल खेलना था और अपने खेल से भारतीयों का दिल जीतना था। मैं कहूंगा कि वे इस लक्ष्य में काफी हद तक सफल रहे हैं लेकिन हमारा काम दो वर्षों तक महामारी के कारण बाधित रहा, हमें कोई घरेलू मैच खेलने का मौका नहीं मिला। कोई मैत्री मैच नहीं थे और कोई क्वालीफायर्स नहीं थे। उन्होंने कहा, अगले सत्र का कैलेंडर मुश्किल है। हम सितम्बर, अक्टूबर और नवम्बर के महीनों में अंतर्राष्ट्रीय विंडो का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय फुटबॉल के सभी अंशधारक इसमें शामिल होंगे और राष्ट्रीय टीम की मदद करेंगे। स्टीमक ने त्रिकोणीय टूर्नामेंट के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम मेजबान हैं और हम इसे जीतने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। हालांकि यह आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, अगले सत्र का कैलेंडर मुश्किल है। हम सितम्बर, अक्टूबर और नवम्बर के महीनों में अंतर्राष्ट्रीय विंडो का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय फुटबॉल के सभी अंशधारक इसमें शामिल होंगे और राष्ट्रीय टीम की मदद करेंगे।

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई कोको गौफ।

गांधीनगर और अहमदाबाद के कई इलाकों में गरज के साथ बारीश, 5 दिन रहेगा बरसाती माहौल

अहमदाबाद।

आज सुबह से गुजरात से मौसम बदला हुआ है, आसमान में बादल छाए हुए हैं और इस दौरान अहमदाबाद और गांधीनगर समेत कई जगह बेमौसमी बारिश की खबर है। जामनगर, द्वारका और कच्छ में सुबह के दौरान रिमजिम बारिश हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले पांच दिन राज्य में बरसाती माहौल की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के मुताबिक सर्क्युलेशन सक्रिय होने से राज्य में अगले 5 दिन तक बरसाती माहौल रहेगा। बुधवार की सुबह से अहमदाबाद समेत कई शहरों में आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम का मिजाज बदलने से गर्मी का प्रमाण घटा है। मौसम विभाग ने साबरकांठा, बनासकांठा, राजकोट, सुरेन्द्रनगर में ओले के साथ सामान्य बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 16, 1।, 18 और 19 मार्च तक राज्य के कई हिस्सों में बरसाती माहौल रहेगा। अहमदाबाद और गांधीनगर में भी सामान्य बारिश होगी। इस दौरान राज्य में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक 16 मार्च को अमरेली, गिर सोमनाथ, भावनगर, बनासकांठा, साबरकांठा, वलसाड, पाटण, सूरत, तापी, नर्मदा, डांग और कच्छ में गरज के साथ बेमौसमी बारिश होगी। 1। मार्च को सूरत, तापी, वडोदरा, वलसाड, अमरेली, बनासकांठा, दाहोद, गांधीनगर, महीसागर, मेहसाणा, डांग, नर्मदा, नवसारी, अहमदाबाद, छोटाउदेपुर, जूनागढ़ और अरवल्ली में गरज के मावठ की संभावना है। 18 मार्च को तापी, वलसाड, अमरेली, जूनागढ़, दाहोद, डांग, नवसारी और दमण में बेमौसमी बारिश हो सकती है। जबकि 19 मार्च को राज्य के । जिलों में बेमौसमी बारिश होने की संभावना है। राज्य के कई जिलों में बेमौसमी बारिश हो रही है और इससे सबसे बड़ा नुकसान किसानों का हो रहा है। जामनगर, द्वारका समेत कच्छ में बेमौसमी बारिश होने से गेहूं, अरंडी, आलू, जीरा और आम की फसल को भारी नुकसान होने की खबर है।

मोहनथाल प्रसाद शुरू होने पर अंबाजी पहुंचे दांता स्टेट के महाराजी

बनासकांठा ।

51 शक्तिपीठों में से एक अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद पुनः शुरू किए जाने की मांग पूरी होने पर दांता स्टेट के महाराजा आज अंबाजी मंदिर पहुंचे, जहां भक्तिभाव से देवी माता की पूजा-अर्चना की और शिखर ध्वज भी चढ़ाया। बता दें कि अंबाजी मंदिर प्रबंधन ने 3 मार्च 2023 से कई दशकों से चली आ रही परंपरा को तोड़ते हुए मोहनथाल का प्रसाद बंद कर दिया था। मोहनथाल के स्थान चिक्की का प्रसाद वितरण करने का मंदिर प्रबंधन ने निर्णय किया था। मंदिर प्रबंधन के इस फैसले से अंबाजी आने वाले श्रद्धालुओं समेत हिन्दू संगठनों में आक्रोश भड़क उठा था। हिन्दू संगठनों समेत कांग्रेस ने भी मंदिर प्रबंधन के निर्णय का विरोध करते हुए मोहनथाल का प्रसाद शुरू करने की मांग की थी। दांता स्टेट के महाराजा परमवीरसिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्वीट कर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की थी। साथ ही संकल्प किया था कि जब तक अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद वितरण पुनः शुरू नहीं किया जाता तब तक मंदिर नहीं जाएंगे। मंगलवार को गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में मंदिर प्रबंधन के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद पुनः शुरू करने की घोषणा की गई। इस घोषणा से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई। मोहनथाल की मांग पूरी होने पर दांता स्टेट के महाराजा परमवीरसिंह हाथ में ध्वज और स्थानीय भक्तों के साथ 51 शक्तिपीठ सर्कल से अंबाजी शक्ति द्वार तक पदयात्रा कर पहुंचे। जिसके बाद अंबाजी मंदिर में पूजा अर्चना की और शिखर ध्वज चढ़ाई।

कस्टोडियल डेथ के मामले में गुजरात देश में अव्वल, पांच साल में 80 आरोपियों की मौत

अहमदाबाद।

पुलिस कस्टडी में आरोपियों की मौत के मामले में गुजरात देशभर में पहले क्रम पर है। पिछले 5 साल के भीतर गुजरात में 80 आरोपियों की कस्टोडियल डेथ हुई है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता हिरेन बैंकर ने कहा कि गांधी और सरदार के गुजरात में लगातार बढ़ रही कस्टोडियल डेथ की घटनाएं गुजरात के लिए चिंता का विषय है। सभ्य समाज कानून के शासन से चलता है। लेकिन पिछले पांच साल में पुलिस कस्टडी में 80 आरोपियों की मौत हो गई। पुलिस टॉर्चर, समय पर मेडिकल ट्रीटमेन्ट ना मिलने इत्यादि कारणों की वजह से आरोपियों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात में लगातार मानव अधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा है, जो चिंता का विषय है। वर्ष 2022 में ही गुजरात में सबसे अधिक 24 मौतें पुलिस कस्टडी में हुई है। नेशनल ह्युमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) की रिपोर्ट में कस्टोडियल डेथ के आंकड़ों ने भाजपा सरकार के गृह विभाग की सब सुरक्षित के दावों की पोल खोलकर रख दी है। हिरेन बैंकर ने बताया कि गुजरात में वर्ष 201।-18 में 14, वर्ष 2018-19 में 13, वर्ष 2019-20 में 12 और वर्ष 2021-22 में 24 कस्टोडियल डेथ की घटनाएं सामने आई हैं। कोरोनाकाल के वर्ष 2019-20 में कस्टोडियल डेथ की घटनाओं की तुलना में वर्ष 2021-22 में 24 घटनाओं के साथ कस्टोडियल डेथ के मामलों में दोगुनी वृद्धि हुई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस 'मे आई हेल्प यू?' के सूचना पटल लगाती है जो पढ़ने में अच्छे लगते हैं। वास्तव में पुलिस थाने में 'मे आई हेल्प यू?' का अहसास होना जरूरी है। कस्टोडियल डेथ के दर्ज कई मामलों में पुलिस द्वारा मारपीट, टॉर्चर, कई बीमारी समेत अन्य कई कारणों से आरोपियों की मौत हुई है। हिरेन बैंकर ने बताया कि पांच साल के भीतर गुजरात में सबसे अधिक 80 कस्टोडियल डेथ हुई है। वहीं महाराष्ट्र में पांच साल में ।6, उत्तर प्रदेश में 41, तमिलनाडु में 40 और बिहार में 38 कस्टोडियल डेथ हुई है। ये आंकड़े बताते हैं कि कस्टोडिय डेथ के मामले में गुजरात देशभर में सबसे आगे है।

सूरत भूमि, सूरत। गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटील के जन्मदिन के अवसर पर वार्ड नं. 27 के पार्षद भाईदास पाटिल द्वारा 1111 गंगा स्वरूप विधवा बहनों को साड़ी वितरित की गई। इस अवसर पर लिंबायत विधानसभा की विधायक संगीता बेन पाटील का स्वागत किया गया।

पीएंडजी के वर्ल्ड स्लीप डे अभियान में फार्मेसिस्ट और हैल्थ एक्सपर्ट हुए शामिल और स्वस्थ नींद के बारे में दी महत्वपूर्ण जानकारी

वर्ल्ड स्लीप डे के अवसर पर पीएंडजी के साथ सीआईएमएस का एक्लक्लुसिव 'स्लीप मैनेजमेंट सिंपोज़यिम एंड सर्टिफिकेशन' 'स्वस्थ नींद के लिए फार्मेसिस्ट की भूमिका के महत्व' के बारे में चर्चा करने के लिए अग्रणी हैल्थ एक्सपर्ट्स और फार्मेसिस्ट को ला रहा है।

साहिल सेठी, सीनियर मार्केटिंग डायरेक्टर एवं कैटेगरी लीडर, हैल्थकेयर, पीएंडजी इंडिया ने कहा, ''स्लीप हैल्थ में वर्ल्ड लीडर और वर्ल्ड स्लीप डे 2023 में गौरवशाली साझेदार के रूप में पीएंडजी अपने अभियान #BetterZzzBetterMe के साथ भारतीयों को बेहतर नींद प्रदान करने के मिशन पर है। फार्मेसिस्ट्स के लिए स्लीप मैनेजमेंट सिंपोज़यिम और सर्टिफिकेशन उपभोक्ताओं, कंटेंट क्रिएटर्स, मीडिया हाउस एवं संगठनों के साथ गठबंधन में हमारे इस अभियान का हिस्सा है, ताकि नींद की समस्याओं, नींद की अच्छी आदतों और कभी-कभी नींद न आने की समस्याओं के बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके और आप सबसे अच्छी सेहत बनाकर रख सकें।''

इस वार्ता में एक वक्ता, डॉ. जॉय डी देसाई, डायरेक्टर एवं हेड, न्यूरोलॉजी विभाग, जसलोक हॉस्पिटल, मुंबई ने कहा, ''हैल्थकेयर स्पेस में फार्मेसिस्ट डॉक्टर और नर्स के बाद सबसे भरोसेमंद प्रोफेशनल होते हैं। इसलिए फार्मेसिस्ट समुदाय को लगातार प्रशिक्षण और शिक्षा दिया जाना बहुत जरूरी होता है। इन मॉड्यूल्स में मेरा ध्यान इस श्रेणी की संबद्धता बनाने और यह जानकारी प्रदान करने पर केंद्रित होगा कि फार्मेसिस्ट मरीजों को नींद की समस्याओं को दूर करने में कैसे मदद कर सकते हैं, और इस समस्या को दूर करने के लिए किस प्रकार सही उपाय बता सकते हैं।''

नींद स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है और पोषण एवं शरीर की स्वस्थ गतिविधि बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। क्या आप जानते हैं कि भारत दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा नींद से वंचित देश है। कांतर और पीएंडजी द्वारा किए गए 55Quil India नेशनल स्लीप सर्वे के अनुसार लगभग 85 प्रतिशत भारतीय पूरी नींद नहीं ले पाते हैं, और 60 प्रतिशत को कभी-कभी नींद न आने की शिकायत होती है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण की ब्याज दर घटाकर 8.4% की

पुणे ।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश के सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है। बैंक ने दिनांक 13.03.2023 से अपने आवास ऋण की ब्याज दरों में कटौती की है। अब आवास ऋण 8.40% पर उपलब्ध होगा, जो बैंकिंग उद्योग की न्यूनतम दरों में से एक है। बैंक ने अर्धसैनिक बलों सहित रक्षा कर्मियों के लिए विशेष ब्याज दरें निर्धारित की हैं, जो आवास ऋण हेतु वेतनभोगी और पेंशनभोगी, दोनों श्रेणियों के लिए फायदेमंद हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने %त्योहार धमाका% ऑफर के अंतर्गत पहले ही अपने गोल्ड, आवास और कार ऋण के लिए प्रोसेसिंग शुल्क माफ कर दिया है। इस ऑफर के आरंभ के साथ, बैंक अपने उत्पादों की श्रृंखला पर अतिरिक्त लाभ सहित अत्यधिक आकर्षक ब्याज दरों की पेशकश कर रहा है, जिससे उपयोगकर्ता ग्राहक लाभान्वित हो रहे हैं।

गुजरात में बनाई जाएंगी 21 नई जीआईडीसी, जानिए कहां कहां स्थापित होंगी

अहमदाबाद।

गुजरात सरकार ने आज राज्य विधानसभा में जीआईडीसी को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की है। गुजरात सरकार ने विधानसभा में उद्योग विभाग की मांग पर जवाब के दौरान यह घोषणा की है। उद्योगमंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने विधानसभा में राज्य में नई 21 जीआईडीसी बनाने का ऐलान किया है। जिसके मुताबिक अहमदाबाद के गांगड को नई जीआईडीसी मिलेगी। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले के थराद, वडगाम, लवाणा, भीलडी और पालनपुर में नई जीआईडीसी बनाने का ऐलान किया गया है। पाटण के सिद्धपुर और सांतलपुर को भी नई जीआईडीसी मिलेगी। मेहसाणा के जोटाणा और नानी भलु में जीआईडीसी की स्थापना की जाएगी।

दक्षिण गुजरात के भरुच जिले के आमोद में और मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर के लडोद में नई जीआईडीसी बनाने की घोषणा की गई है। वहीं सौराष्ट्र के अमरेली के सावरकुंडला में, राजकोट के वींछिया में नई जीआईडीसी बनाने का ऐलान किया गया है। राज्य की राजधानी गांधीनगर के कडजोदरा को भी नई जीआईडीसी मिलेगी। उद्योग भाग भूमि की उपलब्धता और उद्योग स्थापना के लिए अनुषांगिक व्यवस्था का अध्ययन करेगा। राज्य में 21 नई जीआईडीसी की स्थापना से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मार्केट में फ्यूचर के बजाय ओपशन्स में ट्रेड सुरक्षित - जैनम ब्रोकिंग

सूरत भूमि, सूरत। यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक स्तर पर इक्विटी-म्यूचुअल फंड में निवेश के मामले में भारत अभी भी पिछड़ रहा है, लेकिन फ्यूचर्स की तुलना में ट्रेडर्स अभी भी ऑप्शन ट्रेडिंग में प्रवेश कर रहे हैं। दुनिया के विकसित देशों में ट्रेडर्स फ्यूचर्स ट्रेडिंग की तुलना में ऑप्शंस ट्रेडिंग में ज्यादा ट्रेड करते हैं। हालांकि, पिछले दो-तीन वर्षों में भारतीय बाजार में ऑप्शन ट्रेड में शेयरों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है, लेकिन वॉल्यूम के मामले में यह अभी भी पीछे है। ऑप्शन ट्रेडिंग में ट्रेडर्स के बीच अभी भी पर्याप्त जागरूकता नहीं है। ऑप्शंस ट्रेडिंग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, जैनम ब्रोकिंग लिमिटेड 18 मार्च को सूरत में एक मेगा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसमें देश और विदेश के 25 से अधिक विशेषज्ञ औसतन 7000 से अधिक व्यापारियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

व्यापारियों में भी जागरूकता आ रही है और वे भी किए गए निवेश में नफा-नुकसान को देखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। ऑप्शन ट्रेडिंग वह है जिसमें व्यापारी मैन्युअल रूप से लाभ और हानि बुक कर सकते हैं। जैनम ब्रोकिंग लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मिलनभाई पारिख ने कहा कि देशभर में ऑप्शंस ट्रेडिंग में गुजरात के व्यापारी तीसरे स्थान पर आते हैं, इतना ही नहीं गुजरात में 60 प्रतिशत से अधिक ऑप्शंस ट्रेडिंग सूरत के निवेशकों द्वारा किया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि पेशेवर ट्रेडिंग करने वाले ट्रेडर ज्यादातर ऑप्शन ट्रेडिंग में सक्रिय होते हैं। निवेशक प्रौद्योगिकी के माध्यम से जल्दी पैसा बनाने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि उनके लिए प्रौद्योगिकी की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। दुनिया में सबसे ज्यादा ऑप्शन ट्रेडिंग अमेरिका कर रहा है।

व्यापारियों को अधिक और सुरक्षित रिटर्न कैसे मिले, इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 18 मार्च को 25 से ज्यादा मार्केट एक्सपर्ट की मौजूदगी में सात हजार से ज्यादा ट्रेडर्स को जागरुकता कार्यक्रम देंगे। मुख्य अतिथि के तौर पर एनएसई के एमडी आशीष चौहान, गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सीआर पाटिल और गृह मंत्री हर्ष संघवी मौजूद रहेंगे। जैनम ब्रोकिंग लिमिटेड के निदेशक सी दिशांत पारिख ने निर्देश दिया कि चार्ट प्लेटफॉर्म/एल्गो प्लेटफॉर्म/नई तकनीक जैसे ऑप्शन ट्रेडिंग/स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग से संबंधित 51 से अधिक सेवा प्रदाताओं के माध्यम से ट्रेडर्स को सूचित किया जाएगा।

ओप्पो ने भारत में फाईंड एन2 फ्लिप लॉन्च किया: फोल्डेबल फोन में नया मानक स्थापित किया

अग्रणी ग्लोबल स्मार्ट डिवाईसेज़ ब्रांड, ओप्पो ने भारत में 89,999 रु. में अपने फ्लैगशिप फाईंड एन2 फ्लिप फोन का लॉन्च करने की घोषणा की है। यह फ्लिपफोन 17 मार्च, रात्रि 12 बजे से ओप्पो स्टोर्स, फ्लिपकार्ट, और मेनलाईन रिटेल आउटलेट्स पर मिलना शुरू हो जाएगा कैशबैक और छूट के साथ ग्राहक यह केवल 79,999 रु. में प्राप्त कर सकेंगे। इस डिवाईस के बारे में दमयंत सिंह खनोरिया, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, ओप्पो इंडिया ने कहा, ''हमें उद्देश्यपरक आधुनिकताएं पेश करने की ओप्पो की विरासत पर गर्व है। हम अपने लेटेस्ट इनोवेशन, फाईंड एन2 फ्लिप का लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं। इस स्लीक डिवाईस में विशाल वर्टिकल कवर स्क्रीन, एक अदृश्य क्रीज़, शक्तिशाली कैमरा, और सर्वश्रेष्ठ बैटरी है, इसलिए यह स्टाईल, फंक्शनलिटी एवं टिकाऊपन के लिए उत्तम है। हमें विश्वास है कि यह फ्लिप स्मार्टफोन फोल्डेबल स्मार्टफोन की श्रेणी में न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में एक नई क्रांति ले आएगा।''

ओप्पो का पहला फ्लिप फोन अपने ऑल-न्यू फ्लेक्ज़ियोन हिंज डिज़ाईन के साथ इस श्रेणी में एक नया मानक स्थापित कर देगा। इसमें एक वाटर ड्रॉप फोल्ड का निर्माण होता है, जिसके कारण किसी भी फोल्डेबल स्मार्टफोन के मुकाबले इसके मुख्य डिस्प्ले पर काफी हल्की और पतली क्रीज़ बनती है। यह क्रीज़ ज्यादातर रोशनी की स्थितियों में अदृश्य रहती है, जिससे फ्लैट-स्क्रीन का अतुलनीय अनुभव प्राप्त होता है।

इस सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के हिंज में टिकाऊपन से भी कोई समझौता नहीं किया गया है; ओप्पो फाईंड एन2 फ्लिप थर्ड पार्टी टीयूवी रीनलैंड द्वारा सर्टिफाईड है। यह 400,000बार फोल्ड और अनफोल्ड सहन कर सकता है, यानि आप दस सालों तक इस फ्लिपफोन को रोज 100 बार खोल और बंद कर सकते हैं।

इस स्मार्टफोन को माईनस 20 डिग्री सेल्सियस से लेकर 50 डिग्री सेल्सियस के बीच 95 प्रतिशत ह्यूमिडिटी के साथ बहुत ही कठिन परिस्थितियों में 100,000 से ज्यादा बार फोल्ड और अनफोल्ड करने के लिए जाँचा गया है।

ओप्पो इस फ्लिपफोन के हिंज पर बल दे रहा है, क्योंकि इसका फोन की अन्य विशेषताओं पर गहरा असर होता है। इस टाईटली-इंजीनियर्ड हिंज के कारण ओप्पो की 3.26 इंच की बड़ी कवर स्क्रीन फोन में फिट हो सकती, जो 17:9 वर्टिकल लेआउट के साथ फोन के ऊपरी आधे हिस्से में 48.5 प्रतिशत जगह को घेर लेती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)